ज्येष्ठ कृष्णा - 6 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 288 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- | चेन्नई » रविवार » 18-05-2025 | www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारत की कप्तानी के लिए गिल, पंत बेहतर विकल्प : शास्त्री

6 लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय : आखिरी सांस में भी उड़ा दिया दुश्मन का बंकर, दिखाया अदय साहस

7 ग्लोबल स्टार अनुष्का सेन ने किया कान्स में डेब्यू

फर्स्ट टेक

भारत ने कुछ बांग्लादेशी वस्तुओं के आयात पर बंदरगाह प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शनिवार को बांग्लादेश से रेडीमेड वस्त्र और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों जैसी कुछ वस्तुओं के आयात पर बंदरगाह प्रतिबंध लगा दिए। यह कदम पिछले महीने बांग्लादेश द्वारा कुछ भारतीय उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंधों के जवाब में उठाया गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की एक अधिसूचना के अनुसार, ये बंदरगाह प्रतिबंध भारत से होकर गुजरने वाले तथा नेपाल और भूटान जाने वाले बांग्लादेशी माल पर लागू नहीं होंगे। मंत्रालय ने कहा कि अधिसूचना में बांग्लादेश से भारत में रेडीमेड वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ आदि जैसे कुछ सामान के आयात पर बंदरगाह प्रतिबंध लगाए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि बांग्लादेश से रेडीमेड वस्त्रों का आयात किसी भी भूमि बंदरगाह से नहीं किया जा सकेगा। हालांकि, इसे केवल न्हावा शेवा और कोलकाता के बंदरगाहों के माध्यम से ही अनुमति दी गई है।

संभल हिंसा: 50 आरोपियों पर मुकदमा चलेगा

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले की एक स्थानीय अदालत ने पिछले साल 24 नवंबर को भड़की हिंसा में शामिल होने के आरोपी 50 लोगों के खिलाफ शनिवार को आरोप तय किए। एक शासकीय अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि कई आरोपियों की ओर से दाखिल आरोप मुक्त करने की याचिका खारिज किए जाने के बाद यह कदम उठाया गया।

भारत में फिल्म बनाना चाहता हूं, बॉलीवुड फिल्में पसंद हैं : टॉम क्रूज

नई दिल्ली/भाषा। हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज ने भारत में अपने प्रशंसकों के लिए एक संदेश दिया है – मैं आप सब से बहुत प्यार करता हूं। अभिनेता ने बॉलीवुड शैली की फिल्म बनाने की अपनी इच्छा भी जाहिर की, विशेषकर गीत और नृत्य दृश्यों वाली फिल्म। क्रूज की नवीनतम फिल्म मिशन: इम्पॉसिबल – द फाइनल रेकनिंग शनिवार को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हुई। क्रिस्टोफर मैकक्रेरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म मिशन: इम्पॉसिबल श्रृंखला की आठवीं किस्त है। पैरामाउंट पिक्चर्स इंडिया द्वारा जारी एक प्रचार वीडियो में 62 वर्षीय क्रूज ने अभिनेत्री व 'इंफ्लूएंसर' अवनीत कौर के साथ बातचीत की, जिन्होंने उनसे देश में उनके प्रशंसकों के लिए कुछ शब्द कहने को कहा। क्रूज ने हिंदी में कहा, मैं आप सब से बहुत प्यार करता हूं।

18-05-2025 सूर्यास्त 6:28 बजे | 19-05-2025 सूर्योदय 5:42 बजे

BSE	NSE
82,330.59	25,019.80
(-200.15)	(-42.30)

सोना	चांदी
9,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	109,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

श्रेष्ठ मानव

काटेंगे सारे ही जंगल,
कर देंगे धरती वीरानी।
मीठे जो हो जाएं सागर,
पी जाएं सारा ही पानी,
खाएं मारें सब जीवों को,
हैं श्रेष्ठ जीव ज्ञानी दानी।
जल थल नभ को करदें मैला,
हम कुशल सबल नर विज्ञानी।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का

भारत का संदेश लेकर कई देशों का दौरा करेंगे सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

- सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और जनता दल (यूनाइटेड) के संजय झा तथा विपक्षी दलों से कांग्रेस के शशि थरूर, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोई, राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले शामिल हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का भारत का संदेश लेकर सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रमुख साझेदार देशों के दौरे पर जाएंगे, जिनमें से चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ दलों के नेता, जबकि तीन की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे।

सरकार ने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने के लिए जिन नेताओं का चयन किया है, उनमें सत्तारूढ़ दल भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और जनता दल (यूनाइटेड) के संजय झा शामिल हैं तथा विपक्षी दलों से कांग्रेस के शशि थरूर, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोई, राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले शामिल हैं।

प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले विपक्षी नेताओं में कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम प्रमुख है, हालांकि पार्टी ने जिन चार नेताओं की सूची सरकार को सौंपी थी उनमें थरूर का नाम नहीं है।

संसदीय कार्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया, ''सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने की भारत की राष्ट्रीय सहमति और दृढ़ दृष्टिकोण को सामने रखेंगे। वे आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के देश के मजबूत संदेश को दुनिया के समक्ष लेकर जाएंगे।''

सरकार ने प्रतिनिधिमंडल के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के ऐसे नेताओं का सोच-विचार कर चयन किया है, जिन्हें मुखर माना जाता है। इन नेताओं में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चार और विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के तीन नेता शामिल हैं, जो सार्वजनिक जीवन में लंबे समय से सक्रिय रहने वाले वरिष्ठ सांसद हैं।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विदेश मामलों को संभालने के उनके पिछले अनुभव को देखते हुए हाल ही में उन्हें प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया और मैंने तुरंत सहमति दे दी। मुझे इसमें कोई राजनीति नहीं दिखती। मेरे अनुसार, जब हमारा एक राष्ट्र होता है तो राजनीति महत्वपूर्ण हो जाती है। हम सभी भारतीय हैं। जब राष्ट्र संकट में होता है और केंद्र सरकार किसी नागरिक की मदद मांगती है, तो आप इसके अलावा और क्या जवाब देंगे। सभी ने पाकिस्तान के साथ 88 घंटे तक चली लड़ाई देखी है और इसलिए, दुनिया हमारे बारे में क्या कह रही है, इसमें हम सभी की भूमिका होनी चाहिए।

सेना प्रमुख ने तड़के जगाकर बताया कि भारत ने हमला किया है : शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खुलासा किया है कि पिछले शनिवार को सेना प्रमुख ने उन्हें तड़के जगाकर बताया था कि भारत ने मिसाइलों से राजधानी से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक एयरबेस तथा अन्य स्थानों पर हमला किया है। शरीफ की यह टिप्पणी पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सैन्य टकराव समाप्त करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सहमति बनने के एक सप्ताह बाद आई है। शरीफ शुक्रवार रात यहां अपनी सेना के सम्मान में 'यौम-ए-तशक्कुर' (धन्यवाद दिवस) मनाने के लिए आयोजित एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में

हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा गिरफ्तार

- दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी कर्मचारी से कथित तौर पर संपर्क में थी ज्योति मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा की एक यूट्यूबर को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हरियाणा के हिसार की रहने वाली और 'ट्रैवल विद जेओ' नाम से यूट्यूब चैनल संचालित करने वाली ज्योति मल्होत्रा को न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

ज्योति के यूट्यूब चैनल पर 3.77 लाख सब्सक्राइबर हैं। वह दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी कर्मचारी से कथित तौर पर संपर्क में थी। भारत ने कथित तौर पर जासूसी में लिप्त होने के कारण उस पाकिस्तानी अधिकारी को 13 मई को निष्कासित कर दिया था।

उसके यूट्यूब चैनल अकाउंट पर 'इंडियन गर्ल इन पाकिस्तान', 'इंडियन गर्ल एक्सप्लोरिंग लाहौर', 'इंडियन गर्ल ऐट कटास राज टेंपल' और 'इंडियन गर्ल राइड्स लक्जरी बस इन पाकिस्तान' जैसे पाकिस्तान यात्रा से जुड़े कुछ वीडियो पोस्ट किए गए हैं।

6जी प्रौद्योगिकी के नियमन में अग्रणी भूमिका निभाएगा भारत : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि दुनिया भर में दूरसंचार क्रांति तेजी से फैल रही है और आने वाले दिनों में भारत 6जी प्रौद्योगिकी के लिए नियमन में अग्रणी भूमिका निभाएगा। केंद्रीय संचार मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत इस आंदोलन में सबसे आगे है।

सिंधिया ने कहा, देश में 5जी प्रौद्योगिकी शुरू हो चुकी है और महज 22 महीनों में सूचना क्रांति देश के 99 प्रतिशत जिलों की 82 प्रतिशत आबादी तक पहुंच गई है। भारत आगामी 6जी प्रौद्योगिकी नियमों को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि डाक प्रणाली में नई सेवाएं शुरू की जा रही हैं। भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े लॉजिस्टिक और वितरण नेटवर्क में से एक है, जिसमें 1.64 लाख डाकघर और 2.5 लाख कर्मचारी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, साल 2008 में मैंने डाक विभाग के लिए लोगो डिजाइन किया था, जिसका नारा था 'डाक सेवा सार्वजनिक सेवा है। हर डाक कर्मचारी इसी भावना के साथ काम करता है।

सिंधिया ने कहा कि भारत दूरसंचार क्रांति का नेतृत्व करना जारी रखेगा। सिंधिया तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अगुवाई वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के पहले कार्यकाल में केंद्रीय संचार राज्यमंत्री थे।

सैन्य करवाई में हमने कितने विमान खोये, सरकार बताए : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि सरकार को बताना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचना देने का अपराध किसने किया और इसके कारण हमने कितने विमान खोये हैं।

गांधी ने कहा कि सबसे बड़ा अपराध यह है कि युद्ध की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचना देने का काम किसने किया और इस सूचना को बांटने के लिए कौन अधिकृत था।

उन्होंने कहा, हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। उन्होंने सवाल किया, इसे किसने अधिकृत किया और इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए।

केकेआर-आरसीबी मैच बारिश में धुला

बेंगलूरु/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 58वां मुकाबला शनिवार को भारी बारिश के कारण बगैर एक भी गेंद फेंके रद्द कर दिया गया है। मैदानी अंपायरों ने रात करीब 1024 बजे आखिरी बार मैदान का निरीक्षण किया और मैच रद्द करने का औपचारिक ऐलान कर दिया।

ओछी राजनीति के कारण

केंद्र ने तमिलनाडु सरकार को दी जाने वाली शिक्षा निधि रोक दी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर अपनी ओछी राजनीति के कारण राज्य को मिलने वाली शिक्षा निधि को रोकने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी सरकार 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जारी करने के अनुरोध को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी।

स्टालिन ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में कहा कि तमिलनाडु सरकार ने त्रि-भाषा नीति पर सहमति नहीं जताई है,

इसलिए केंद्र ने 2,152 करोड़ रुपए जारी नहीं किए हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''भाजपा नीत केंद्र ने अपनी ओछी राजनीति के कारण तमिलनाडु सरकार को दी जाने वाली शिक्षा निधि रोक दी है।'' उन्होंने कहा कि यह धनराशि शिक्षा – छात्रों और शिक्षकों के लिए थी।

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु सरकार केंद्र द्वारा शिक्षा निधि जारी न करने को चुनौती देने के लिए निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यपाल मामले में राज्य की सफलता की तरह, जिसमें विधेयकों पर राज्यपाल/राष्ट्रपति के लिए समय सीमा तय की गई थी, तमिलनाडु शिक्षा निधि से संबंधित मामले में भी जीत हासिल करेगा।

स्टालिन ने कहा कि शिक्षा को संविधान की राज्य सूची में लाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा और यदि शिक्षा को राज्य सूची में नहीं डाला गया तो यह सभी के लिए उपलब्ध नहीं होगी। उन्होंने एक बार फिर इस विषय पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के रुख की पुष्टि की।

पीएसएलवी-सी61 के प्रक्षेपण की उलटी गिनती शुरू

श्रीहरिकोटा/भाषा। ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) रॉकेट के माध्यम से पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के प्रक्षेपण की 22 घंटे की उलटी गिनती शनिवार को यहां शुरू हो गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) सूत्रों ने यह जानकारी दी। पीएसएलवी-सी61 का प्रक्षेपण 18 मई को श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम 'लॉन्च पैड' से सुबह पांच बजकर 59 मिनट पर निर्धारित है। अंतरिक्ष एजेंसी इसरो का यह 101वां मिशन है। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, शनिवार सुबह सात बजकर 59 मिनट पर उलटी गिनती शुरू हो गई। कुल 22 घंटे की उलटी गिनती है। पीएसएलवी अपने 63वें मिशन में पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (ईओएस-09) को ले जाएगा, जो सभी मौसम परिस्थितियों में पृथ्वी की सतह की उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें लेने में सक्षम होगा। उपग्रह द्वारा चौबीसों घंटे खींची जाने वाली तस्वीरें कृषि, वानिकी निगरानी, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण होंगी। लगभग 1,696.24 किलोग्राम वजन वाला ईओएस-09 उपग्रह पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों के समूह में शामिल होगा। इस मिशन का उद्देश्य देश भर में विस्तारित तात्कालिक समय पर होने वाली घटनाओं की जानकारी जुटाने की आवश्यकता को पूरा करना है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा

भारत का विरोध करने वाले देशों की अर्थव्यवस्था को सशक्त न बनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि लोग आयात या यात्रा के जरिए उन देशों की अर्थव्यवस्थाओं की मदद नहीं कर सकते जो भारत के हितों के प्रतिकूल हैं।

धनखड़ की यह टिप्पणी 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत के साथ सैन्य टकराव में पाकिस्तान को समर्थन देने के बाद तुर्किये और अजरबैजान के व्यापार और पर्यटन बहिष्कार के बीच आई है। उन्होंने कहा, क्या हम उन देशों को सशक्त बना सकते हैं जो हमारे हितों के प्रतिकूल हैं? समय आ गया है जब हममें से प्रत्येक को आर्थिक राष्ट्रवाद के बारे में गहराई से सोचना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हर चीज का मूल्यांकन राष्ट्रवाद के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के आधार पर किया जाना चाहिए।

तुर्किये ने पाकिस्तान का समर्थन किया है और 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पड़ोसी देश और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारत के हमलों की निंदा की है।

भारत के साथ सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तान ने भी बड़े पैमाने पर तुर्किये के ड्रोन का इस्तेमाल किया था। अजरबैजान ने भी पाकिस्तान के प्रति समर्थन जताया था।

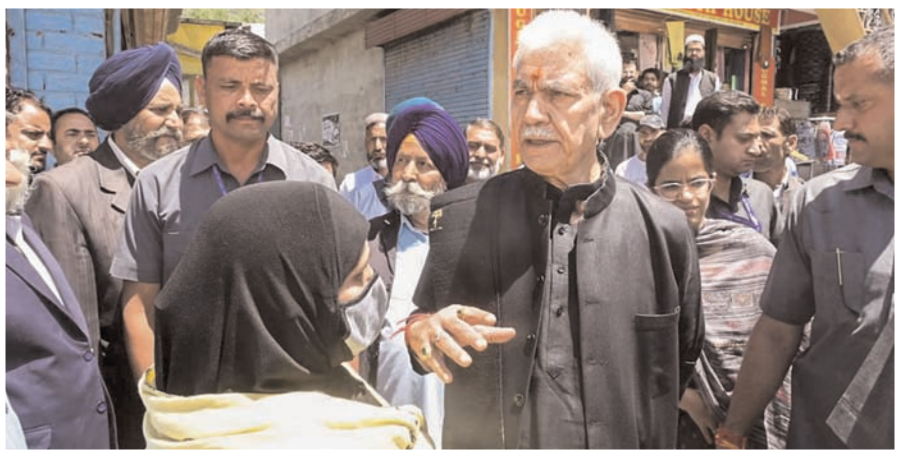

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। सिन्हा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सेना और पुलिस अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। तंगधार में हमारे बहादुर जवानों से बातचीत की। वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ डटे हुए हैं।

सिन्हा ने तंगधार सेक्टर में सीमा क्षेत्र का दौरा किया और पाकिस्तान द्वारा बिना उकसावे के की गई भारी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन किया। उन्होंने कहा कि देश सतर्कता, समर्पण, बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान के साथ जीवन की रक्षा करने और हमारी सीमाओं की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए सशस्त्र बलों का आभारी है।

सिन्हा ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे जवान दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का डटकर सामना करेंगे।

तेलंगाना में 20 माओवादी गिरफ्तार, हथियार जब्त

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुलुगु जिले में विभिन्न स्थानों से पुलिस ने प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के 20 सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनके पास से कई हथियार जब्त किए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मुलुगु जिले के पुलिस अधीक्षक शबरीश पी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि एक डिवीजन कमेटी सदस्य और पांच एरिया कमेटी सदस्यों सहित माओवादियों को 16 और 17 मई के बीच वाहन जांच, तलाशी अभियान और वेंकटपुरम, वजीदु और कन्नाईगुडेम पुलिस थानों की सीमाओं के अंतर्गत गश्त के दौरान गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस ने बताया कि सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा हाल ही में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुट्टा पहाड़ियों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू करने के बाद, मुलुगु पुलिस को सूचना मिली कि कर्रेगुट्टा में शरण लिए हुए भाकपा (माओवादी) वहां से छोटे-छोटे समूहों में विभिन्न स्थानों की ओर भाग रहे हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुलुगु जिले में माओवादियों के प्रवेश को रोकने के लिए पुलिस ने अपनी निगरानी प्रणाली को मजबूत किया और माओवादियों को पकड़ लिया।

सरकार ने सैन्य कार्रवाई की शुरुआत में ही पाकिस्तान को सूचित किया, यह अपराध है: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत के समय ही पाकिस्तान को इस बारे में सूचित कर दिया, जो एक अपराध है। गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के एक बयान का एक वीडियो 'एक्स' पर पोस्ट किया और दावा किया कि सरकार ने यह स्वीकारा कि उसने हवाई हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि खुद विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया है।

गांधी ने सवाल किया, इसे किसने अधिकृत किया? परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खोए?'' जयशंकर को इस वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है, ऑपरेशन की शुरुआत में हमने पाकिस्तान को एक संदेश भेजा था, जिसमें कहा गया था कि हम आतंकवाद के ढांचे पर हमला कर रहे हैं और हम सेना पर हमला नहीं कर रहे हैं। इसलिए (पाकिस्तानी) सेना के पास कुछ नहीं करने और इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने का विकल्प है। उन्होंने अच्छी सलाह नहीं लेने का फैसला किया।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने इन दावों को खारिज किया है कि जयशंकर ने कहा था कि भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से पहले पाकिस्तान को सूचित किया था। पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मंत्री ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और उन्हें गलत तरीके से उद्धृत किया जा रहा है।

समाज के बिगड़ते चरित्र के कारण आजकल लोग सत्य का साथ नहीं देते : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि समाज के बिगड़ते चरित्र के कारण आजकल लोग सच के लिए खड़े होने को तैयार नहीं हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा कि वह 2017 के भिवंडी पार्षद हत्या मामले में मौखिक गवाही के लिए बड़ी संख्या में गवाहों पर क्यों निर्भर है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ कांग्रेस पार्षद हत्याकांड के कथित मुख्य साजिशकर्ता प्रशांत भास्कर म्हात्रे की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

पीठ ने राज्य के वकील को महत्वपूर्ण गवाहों की सूची प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिनकी जांच कर मामले में आरोपी को दोषी साबित किया जा सके। राज्य सरकार के वकील ने जब कहा कि उन्हें आरोपपत्र में बताए गए 200 गवाहों में से 75 गवाहों से पूछताछ करने की जरूरत है, तो पीठ ने कहा, समाज के बिगड़ते चरित्र के कारण आजकल लोग सच के लिए खड़े होने को तैयार नहीं हैं। आप इतने सारे गवाहों की गवाही पर क्यों भरोसा कर रहे हैं? हां, गैंगस्टरों द्वारा गवाहों पर दबाव डालने का खतरा है जो बाद में अपने बयान से पलट जाते हैं क्योंकि दुर्भाग्य से इस देश में गवाहों की सुरक्षा के लिए कोई कार्यक्रम नहीं है। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मामले में महत्वपूर्ण गवाहों की सूची प्रस्तुत करने के बाद वह मुकदमे को तेजी से पूरा करने के लिए समय-सीमा तय करेगी। राज्य सरकार के वकील ने कहा कि बंबई उच्च न्यायालय द्वारा जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 14 गवाहों की जांच की जिनमें से 10 मुकर गए।

पीठ ने वकील से म्हात्रे के आपराधिक इतिहास के बारे में पूछा जिस पर उन्होंने कहा कि आरोपी पर 12 से अधिक मामले दर्ज हैं। म्हात्रे के वकील ने कहा कि उनके खिलाफ दर्ज कई मामलों में उन्हें बरी कर दिया है और अदालत से उन्हें जमानत देने का आग्रह किया क्योंकि वह 2017 से जेल में हैं। पीठ ने म्हात्रे के वकील से कहा, यहां से किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। हम चाहते हैं कि आपके मुकदमे में तेजी आए। हम चाहते हैं कि समाज में शांति रहे। अगर आप जेल से बाहर आते हैं, तो बहुत से लोगों की रातों की नींद हराम हो जाएगी।

न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि अदालत तकनीकी दृष्टि से मामले की निगरानी नहीं कर रही है, बल्कि इसका पर्यवेक्षण कर रही है ताकि मामले में सुनवाई में तेजी लाई जा सके। बंबई उच्च न्यायालय ने सात फरवरी को म्हात्रे की जमानत याचिका खारिज करते कहा था, ...सभी आरोपियों के इकबालिया बयानों से संकेत मिलता है कि उक्त आवेदक को वर्तमान मामले में मुख्य साजिशकर्ता कहा जा सकता है।

सहज स्मृति योग

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, जब हर घर गुरुकुल की बात आई तो एक ओर तो आपने कहा कि हर घर गुरुकुल तो तभी हो सकता है न, जबकि हर घर में एक व्यक्ति गुरु हो। वहीं दूसरी और आप कहते हैं कि, शिष्यत्व ही व्यक्ति की अंतिम उपलब्धि होती है; कोई व्यक्ति गुरु नहीं होता। और तीसरी ओर ये भी कहते हैं कि बिना किसी व्यक्ति-मानव को गुरु बनाए तत्व-ज्ञान या मोक्ष प्राप्त नहीं होता। गुरु शिष्य परंपरा चले तो चले कैसे? कोई व्यक्ति कब गुरु दीक्षा देना आरम्भ कर सकता है ? कृपया स्पष्ट करें!

उत्तर: सहज सरल उत्तर तो यही है कि ज़ब साधना की अवस्था में किसी व्यक्ति-मनुष्य में हमें उसके अमूर्त परमात्मा का प्रकट (मूर्त) विग्रह होने की अनुभूति होती है और वह अनुभूति उत्तरोत्तर किंचित स्थायी भी होती जाती है तो उसके साथ ही यह संभावना भी प्रकट होती है कि, हमारे अपनी ओर से बिना कोई ऐसा संकेत या प्रयास किए, हम में भी कोई न कोई परमात्मा का दर्शन करने लगे। ऐसा क्यों और कैसे होता है ? यह भक्ति, भक्त, भगवंत और गुरु के एकत्व का परम आध्यात्मिक मोक्ष रहस्य है जो गुरु कृपा से ही हृदयंगम होता है। जब ऐसा होता है तथा अनुमान, अनुभूति या दर्शन से आकर्षित होकर जब कोई दीक्षा लेने की अनुमति माँगता है तब गुरु दीक्षा देना आरम्भ किया जा सकता है क्योंकि, ऐसे व्यक्ति में दीक्षा मांगने वाले के गुरु होने की संभावना प्रकट हो जाती है।अन्यथा कोई न तो दीक्षा देगा और न ही किसी की मांगने की इच्छा होगी। दीक्षा देने वाला सदा शिष्य ही रहता है अपने गुरु का, अपनी गुरु प्रदत्त दृष्टि में, इस तरह दीक्षा लेने देने का क्रम चलता रहता है। जिसमें स्वयं के गुरु होने का बोध शेष बना रहता है वह यह उत्तरदायित्व निभाने के न तो अर्हत/ योग्य /पात्र हो पाते हैं और न ही अधिकारी। जब अनधिकारी अधिकार निभाते हैं तो इस संबंध की मर्यादा में ह्रास समाज में दिखने लगता है अन्यथा उत्तरोत्तर विकास ही होता रहता है।

कई बार जुबान फिसल जाने से भ्रांतियां पैदा हो जाती हैं : भाजपा विधायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक उषा ठाकुर ने शनिवार को कहा कि कोई भी नेता अनर्गल बयानबाजी नहीं करना चाहता, लेकिन कई बार जुबान फिसल जाने के कारण भ्रांतियां पैदा हो जाती हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी मीडिया से साझा करने वाली भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से पैदा हुए विवाद को लेकर ठाकुर ने यह बात कही। इंदौर जिले के रायकुण्डा गांव में शाह ने 12 मई को हलमा (सामूहिक श्रमदान और सामुदायिक सहभागिता की जनजातीय परम्परा) के सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जब विवादास्पद बयान दिया, तो मंच पर बैठे लोगों में क्षेत्रीय विधायक ठाकुर भी शामिल थीं। इस बयान पर मप्र उच्च न्यायालय के स्वत: संज्ञान लेने के बाद मंत्री के खिलाफ मानपुर पुलिस थाने में गंभीर आरोपों में प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है। शाह के विवादास्पद बयान पर भाजपा विधायक ठाकुर ने इंदौर में कहा,आप सभी भलीभांति जानते हैं कि किसी भी व्यक्ति की मंशा इस प्रकार की हो ही नहीं सकती कि वह ऐसी अनर्गल बयानबाजी करे। कई बार जुबान फिसल जाने के कारण ऐसी भ्रांतियां पैदा हो जाती हैं, तो हमें इस पर गंभीरता से विचार करते हुए इन विषयों को समझना होगा। यह पूछे जाने पर कि विवादास्पद बयान के पीछे शाह की क्या मंशा थी, भाजपा विधायक ने जवाब दिया,मैंने आपसे पहले ही निवेदन किया है कि पहले आप (बयान के) पूरे परिप्रेक्ष्य को देखें, फिर हम इस पर बात करें तो बेहतर होगा। शाह के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस की तेज होती मांग पर ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस अपना काम कर रही है और भाजपा संगठन अपना काम करेगा।

साइबर ठगों ने हिमाचल के सहकारी बैंक का सर्वर हैक कर 11.55 करोड़ रुपए निकाले

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के सर्वर को साइबर अपराधियों ने कथित रूप से बैंक के एक ग्राहक के मोबाइल फोन एप्लिकेशन के माध्यम से हैक कर लिया और 11.55 करोड़ रुपए की रकम निकाल ली। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह रकम 20 अलग-अलग खातों में भेजी गई। यह साइबर ठगी 11 और 12 मई को की गई, लेकिन 13 मई को बैंक अवकाश होने के कारण मामला 14 मई को सामने आया, जब बैंक अधिकारियों को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ट्रांजैक्शन रिपोर्ट प्राप्त हुई। बैंक के अधिकारियों ने बताया कि मामले की शिकायत तुरंत शिमला सदर थाने में दर्ज करवाई गई।

चंबा जिले के हटली शाखा में खाता रखने वाले एक ग्राहक के मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सर्वर हैक किया गया। मामले को साइबर अपराध शाखा को सौंप दिया गया है। साइबर अपराध शाखा के उप-महानिरीक्षक मोहित चावला ने कहा कि मामले में जांच जारी है और भारत सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन की एक टीम शनिवार को शिमला पहुंचकर जांच में शामिल होगी। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञ यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बैंक की सुरक्षा प्रणाली में सेंध कैसे लगी। इस बीच, बैंक प्रबंधन ने दावा किया है कि ग्राहकों का पैसा सुरक्षित है और सभी धन के लेन-देन को रोक दिया गया है।

'आप' से असंतुष्ट दिल्ली नगर निगम के 13 पार्षदों ने बनाई नई राजनीतिक पार्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आम आदमी पार्टी (आप) को झटका देते हुए 13 पार्षदों ने शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया तथा विकास कार्य ठप होने और आंतरिक असंतोष बढ़ने का हवाला देते हुए एक नया संगठन 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' बनाने की घोषणा की।

हालांकि, आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा इस दलबदल के पीछे है और उसके पार्षदों को ''खरीद-फरोख्त अभियान'' के तहत पांच-पांच करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तरफ से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

नई पार्टी का नेतृत्व करने वाले वरिष्ठ पार्षद मुकेश गोयल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमारे चुनाव के बाद से ढाई साल में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। पार्टी अंदरूनी कलह और आरोप-प्रत्यारोप में ही व्यस्त रही। उन्होंने दावा किया कि पार्षदों को विकास कार्यों के लिए बजट नहीं दिया गया और कहा कि नए संगठन का उद्देश्य जन कल्याण और एमसीडी के सुचारू संचालन पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा कि यह कदम नगर निकाय तक ही सीमित है और इसका उद्देश्य राज्य स्तरीय राजनीति नहीं है। नए संगठन में हेमचंद गोयल के साथ ही दिनेश भारश्रे, हिमानी जैन, उषा शर्मा, साहिब कुमार, राखी कुमार, अशोक पांडे, राजेश कुमार और अनिल राणा जैसे पूर्व आप पार्षद शामिल हैं। अपनी आधिकारिक प्रतिक्रिया में 'आप' ने आरोप लगाया, महापौर चुनाव के समय से ही भाजपा हमारे पार्षदों को अपने पाले में करने की कोशिश कर रही है।

मंत्री बच्चूभाई खाबड़ का बेटा मनरेगा घोटाले में गिरफ्तार: गुजरात पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाहोद/भाषा। गुजरात सरकार में मंत्री बच्चूभाई खाबड़ के बेटे बलवंत खाबड़ को 71 करोड़ रुपए के मनरेगा घोटाले में कथित संलिप्तता के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घोटाले में कुछ अनुबंधित एजेंसियों ने काम पूरा किए बिना या सामान की आपूर्ति किए बिना सरकार से भुगतान प्राप्त किया।

पुलिस ने दाहोद जिले में तत्कालीन तालुका विकास अधिकारी (टीडीओ) दर्शन पटेल को भी गिरफ्तार किया है, जिससे मामले के संबंध में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या सात हो गई है। देवगढ़बरिया निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बच्चूभाई खाबड़ प्रदेश सरकार में पंचायत एवं कृषि मंत्री हैं।

पुलिस ने बताया कि कथित घोटाले में 35 एजेंसियों के मालिकों ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना के तहत भुगतान प्राप्त करने के लिए फर्जी कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र और अन्य दावे पेश कर 2021 और 2024 के बीच 71 करोड़ रुपए की हेराफेरी की।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बलवंत खाबड़ इनमें से एक एजेंसी के मालिक हैं और उन पर आदिवासी बहुल दाहोद जिले के देवगढ़ बारिया और धनपुर तालुका के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में मनरेगा कार्यों में धोखाधड़ी करने का आरोप है।

कश्मीर में कई जगहों पर एसआईए की छापेमारी

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य अन्वेषण एजेंसी (एसआईए) ने शनिवार को कश्मीर में 11 स्थानों पर छापेमारी की और घाटी में 'स्लीपर सेल मॉड्यूल' की जांच के तहत पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, एसआईए, कश्मीर द्वारा स्लीपर सेल मॉड्यूल से संबंधित जांच में इस सप्ताह की शुरुआत में दक्षिण कश्मीर में की गई छापेमारी के सिलसिले में आज मध्य और उत्तरी कश्मीर में लगभग 11 स्थानों पर व्यापक छापेमारी की गई। अधिकारियों ने बताया कि ये छापेमारी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी संख्या 01/2025 की जांच के सिलसिले में की गई। अदालत ने इस तलाशी की अनुमति दी है, जो कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री सुखू ने हिमाचल में प्राकृतिक खेती बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने शनिवार को कृषि विभाग के अधिकारियों को हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए ठोस एवं समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।

यहां कृषि विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सुखू ने कहा कि विभाग के सभी अधिकारियों को किसानों तक पहुंचना चाहिए और उन्हें प्राकृतिक खेती अपनाने के साथ-साथ इसके प्रमाणीकरण की सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने प्राकृतिक खेती पहल के तहत किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए पंचायतवार शिविर आयोजित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठोस परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रत्येक स्तर पर इस संबंध में जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने एपीएमसी अध्यक्षों को इस दिशा में किसानों को सक्रिय रूप से प्रेरित करने और उनकी सहायता करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एपीएमसी को प्राकृतिक रूप से उगाए गए गेहूं, मक्का और कच्ची हल्दी की खरीद के लिए उच्च श्रेणी के साइलो स्थापित करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा, प्राकृतिक रूप से उगाए गए गेहूं की खरीद पहले ही शुरू हो चुकी है और राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज के लिए 60 रुपए प्रति किलोग्राम का एमएसपी दे रही है।

प्रतिनिधिमंडल में थरूर के होने पर कांग्रेस ने कहा, हमने सिर्फ चार नाम दिए, सरकार खेल रही है खेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अगले सप्ताह से विभिन्न देशों का दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व शशि थरूर को सौंपे जाने के बाद शनिवार को कहा कि सरकार खेल खेल रही है और शरारतपूर्ण मानसिकता के साथ काम कर रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि कांग्रेस की तरफ से सिर्फ चार नेताओं आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के नाम सरकार को दिए गए हैं। सरकार पार्टी से विचार विमर्श किए बिना उसके किसी सांसद को शामिल नहीं कर सकती। उनका यह भी कहा कि यह अच्छी लोकतांत्रिक परंपरा रही है कि आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने वाले सांसद अपनी पार्टी नेतृत्व से अनुमति लेते हैं। रमेश ने शशि थरूर का नाम लिए बगैर कहा कि कांग्रेस में होने और कांग्रेस के होने में जमीन आसमान का फर्क है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मामले में ईमानदारी नहीं सिर्फ शरारत दिखाई है और वह ध्यान भटकाने का खेल खेल रही है क्योंकि उसका विमर्श 'पंचर' हो गया है।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने शनिवार को कहा कि विदेश जाने वाले सात प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व थरूर करेंगे। थरूर ने विदेश जाने वाले 7 प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलने के बाद कहा कि जब राष्ट्रीय हित को बात होगी तो वह अपनी सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे। रमेश ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर चार नाम दिए और जब मंत्री ने कांग्रेस नेतृत्व से बात की तो किसी व्यक्ति विशेष को प्रतिनिधिमंडल में रखने को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने जोर दिया कि पार्टी ने जो चार नाम दिए हैं उनमें कोई बदलाव नहीं करेगी। कूटनीति के कुछ मामलों में सत्ता और विपक्ष के बीच विश्वास के आधार पर आगे बढ़ा जाता है। रिजिजू ने चार नाम मांगे थे, हमने चार नाम दिए। हमें उम्मीद थी कि जब घोषणा होगी तो जो चार नाम दिए वे ही नाम रहेंगे। लेकिन आज जब घोषणा हुई तो वे नाम नहीं थे। उन्होंने कहा, हमने अपना धर्म निभाया। हमने इस विश्वास के साथ नाम दिया कि सरकार हमसे एक शरारती मानसिकता से नहीं, ईमानदारी से नाम मांग रही है। रमेश ने कहा, हम 22 अप्रैल से लगातार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक की मांग कर रहे हैं, लेकिन जो दो बैठकें हुईं उनमें प्रधानमंत्री नहीं आए और ये बैठकें सिर्फ औपचारिकता थीं।

तुलबुल परियोजना पर अब्दुल्ला का बयान 'बेहद गैरजिम्मेदाराना': पीडीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। वुलर झील पर तुलबुल नौवहन बैराज परियोजना को बहाल करने के उमर अब्दुल्ला के आह्वान पर उनके और महबूबा मुफ्ती के बीच वाकयुद्ध छिड़ने के एक दिन बाद, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने शनिवार को जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री को आगाह करते हुए कहा कि इस तरह के उकसावे से केवल तनाव बढ़ेगा।

पीडीपी ने एक बयान में कहा, तुलबुल नौवहन परियोजना और सीमापार जल प्रवाह के नियंत्रण का हवाला देते हुए उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी न केवल गलत समय पर आई है, बल्कि बेहद गैरजिम्मेदाराना भी है। ऐसे समय में जब शांति नाजुक स्थिति में है और संघर्षविराम मुश्किल से कायम है, इस तरह की उकसावे वाली बातें केवल तनाव को बढ़ाने का काम करती हैं। पार्टी ने कहा कि यह देश के लिए एक संवेदनशील समय है और नेताओं को मौकापरस्ती नहीं, बल्कि परिपक्वता के साथ काम करना चाहिए।

उसने कहा, पीडीपी कभी भी अपने रुख से पीछे नहीं हटी है – हमारी प्रतिबद्धता हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति के लिए रही है। हमारा मानना है कि जम्मू कश्मीर दोनों देशों के बीच शांति का सेतु होना चाहिए, न कि युद्ध का मैदान। पीडीपी ने यह भी कहा कि जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री द्वारा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को रद्द करने का आह्वान खतरनाक और अदूरदर्शी है।

उसने कहा, हमारी स्थिति स्पष्ट है, हम संधि के तहत जम्मू कश्मीर के लिए उचित मुआवजे की मांग करते रहेंगे, लेकिन सिंधु जल संधि का इस्तेमाल युद्ध संबंधी बयानबाजी के बहाने के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। पार्टी ने कहा, आज के अस्थिर माहौल में तुलबुल परियोजना या सिंधु जल संधि को निरस्त करने जैसे विवादास्पद मुद्दों को उठाना दोनों देशों को टकराव की ओर ले जाएगा। पीडीपी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में ऐसे रुख की वकालत करने वाले लोग क्षेत्र की स्थिरता को कमजोर कर रहे हैं और सीमावर्ती राज्यों में रहने वाले लोगों के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं।

केंद्र ने ओछी राजनीति के कारण तमिलनाडु सरकार को दी जाने वाली शिक्षा निधि रोक दी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि उसने अपनी ''ओछी राजनीति'' के कारण राज्य को मिलने वाली शिक्षा निधि रोक दी है। स्टालिन ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में कहा कि तमिलनाडु सरकार ने त्रि-भाषा नीति पर सहमति नहीं जताई है, इसलिए केंद्र ने 2,152 करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, भाजपा नीत केंद्र ने अपनी ओछी राजनीति के कारण तमिलनाडु सरकार को दी जाने वाली शिक्षा निधि रोक दी है। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु सरकार केंद्र द्वारा शिक्षा निधि जारी न करने को चुनौती देने के लिए निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यपाल मामले में राज्य की सफलता की तरह, जिसमें विधेयकों पर राज्यपाल/राष्ट्रपति के लिए समय सीमा तय की गई थी, तमिलनाडु शिक्षा निधि से संबंधित मामले में भी जीत हासिल करेगा। स्टालिन ने कहा कि शिक्षा को संविधान की राज्य सूची में लाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा और यदि शिक्षा को राज्य सूची में नहीं डाला गया तो यह सभी के लिए उपलब्ध नहीं होगी। उन्होंने एक बार फिर इस विषय पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के रुख की पुष्टि की।

तमिलनाडु सरकार ने टीएएसएमएसी मामले में राज्य के अधिकारियों का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के आबकारी मंत्री एस मुथुसामी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर सरकारी टीएएसएमएसी में कथित घोटाले की जांच के दौरान राज्य सरकार के अधिकारियों को परेशान करने और उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

मंत्री ने शनिवार को केंद्रीय एजेंसी पर ''राजनीतिक प्रतिशोध'' का आरोप लगाते हुए इसकी कड़ी निंदा की तथा इसके खिलाफ सभी कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। मुथुसामी ने यह भी कहा कि सरकार हमेशा राज्य के अधिकारियों का मजबूती से समर्थन करेगी। आवास, निषेध और आबकारी विभाग का प्रभार संभाल रहे मुथुसामी ने एक बयान में कहा कि राजनीतिक उद्देश्य से तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) के मुख्यालय में ईडी ने तलाशी ली।

बयान में कहा गया कि यह दिखाने की कोशिश हुई कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन के दौरान टीएएसएमएसी में अनियमितताएं हुईं। हालांकि, ईडी की कार्रवाई सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) शासन के दौरान दर्ज मामलों पर आधारित थी। बयान में कहा गया कि तलाशी के दौरान टीएएसएमएसी के कामकाज में कथित अनियमितताओं को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला। जब यह मामला सामने आया तो ईडी ने ''कल्पना'' के आधार पर एक प्रेस नोट जारी किया, जिसमें टीएएसएमएसी में 1,000 करोड़ रुपये के घोटाले का दावा किया गया। बयान में कहा गया, ''...ईडी द्वारा लगातार अधिकारियों को परेशान किया जा रहा है। इसी क्रम में कल (16 मई) ईडी ने टीएएसएमएसी के प्रबंध निदेशक (एस विसकन) और अन्य के घरों में तलाशी ली। इन तलाशियों में भी कोई सबूत नहीं मिला।'' मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार ईडी की ऐसी प्रतिशोधात्मक' कार्रवाई के खिलाफ सभी कानूनी कदम उठाते हुए अधिकारियों का साथ देगी।

चेन्नई के पार्थसारथी स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त भोजन योजना की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ट्रिप्लीकेन स्थित प्रसिद्ध श्री पार्थसारथी स्वामी मंदिर में शनिवार और महत्वपूर्ण उत्सवों के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के लिए दिन भर अन्नदानम (निशुल्क भोजन) उपलब्ध कराने की योजना शुरू की गई है। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी।

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग मंत्री पी के सीकर बाबू, चेन्नई के महापौर आर प्रिया व अन्य की उपस्थिति में मंदिर में इस योजना की शुरुआत की। यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्य भर में फैले 13 मंदिरों में भक्तों के लाभ के लिए पूरे दिन अन्नदान की व्यवस्था की जा रही है।

पिछले चार वर्षों में ग्यारह मंदिरों को इस सूची में शामिल किया गया है। इसके अलावा, राज्य के 764 मंदिरों में प्रतिदिन एक बार अन्नदानम प्रदान किया जाता है। इस पहल से हर साल करीब 3.5 करोड़ श्रद्धालु लाभान्वित होते हैं

तमिलनाडु में 10वीं और 11वीं परीक्षा का परिणाम घोषित

चेन्नई। तमिलनाडु माध्यमिक विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र (एसएसएलसी- 10वीं) परीक्षा और उच्चतर माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा (प्लस वन-11वीं) में क्रमश: 93.8 प्रतिशत और 92.09 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

सरकारी परीक्षा निदेशालय ने शुक्रवार को इस परीक्षा परिणाम की घोषणा की। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष दसवीं कक्षा (एसएसएलसी) परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतिशत 2.55 प्रतिशत अधिक रहा, जबकि प्लस वन (11वीं कक्षा) में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने कहा, यह हमारे मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा किए गए प्रयासों और मार्गदर्शन को दर्शाता है। वह हमारे प्रधानाध्यापक हैं।

उन्होंने कहा कि इस बात की प्रारंभिक जांच की जा रही है कि एक परीक्षा केंद्र से परीक्षा देने वाले 167 विद्यार्थी रसायन विज्ञान में शत-प्रतिशत अंक कैसे प्राप्त करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जब संवाददाताओं ने पूछा कि एक ही केंद्र से इतने सारे विद्यार्थियों का एक ही विषय में शत-प्रतिशत अंक लाना कैसे संभव है, तो मंत्री ने कहा कि यदि यह पाया गया कि संबंधित विषय का शिक्षक कोचिंग के माध्यम से शानदार परिणाम लाने में सक्षम है, तो इस पद्धति को सभी स्कूलों के लिए एक मॉडल के रूप में अपनाया जाएगा। एसएसएलसी और एचएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कक्षा 10वीं में सफल छात्रों से उच्च अध्ययन के लिए आवश्यक विषय चुनने का आह्वान किया।

पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम हैं राजग का हिस्सा : तमिलनाडु प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नैनार नागेंथिरन ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बने रहेंगे। पनीरसेल्वम को संतुष्ट करने के प्रयास में नागेंथिरन ने कहा कि वह राजग के घटक बने रहेंगे।

पन्नीरसेल्वम को उनके पूर्व सहयोगी एवं पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने अन्नाद्रमुक से निष्कासित कर दिया था। नागेंथिरन का यह बयान पन्नीरसेल्वम द्वारा इस बात पर खुले तौर पर अफसोस व्यक्त करने के एक दिन बाद आया है कि 11 अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चेन्नई यात्रा के दौरान उन्हें भाजपा द्वारा आमंत्रित नहीं किया गया था, जब पलानीस्वामी के नेतृत्व वाले अन्नाद्रमुक के साथ चुनावी संबंध की औपचारिक घोषणा की गयी थी।

नागेंथिरन ने यहां संवाददाताओं से कहा, वह (अमित शाह) एक अलग उद्देश्य से चेन्नई में थे और उन्होंने अन्नाद्रमुक के साथ चुनावी गठबंधन को अंतिम रूप दिया और इसकी घोषणा की। तिरुवन्नामलाई में, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की और दावा किया कि राजग एक मजबूत ताकत है।

करूर में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत, 15 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। तमिलनाडु के करूर में सेम्मादई के पास एक बस ट्रैक्टर से टकराने के बाद डिवाइडर को तोड़ते हुए विपरीत दिशा में जा रही पर्यटकों की वैन से टकरा गई जिससे कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में वैन चालक भी शामिल है और घायलों को इलाज के लिए पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने बताया कि यह दुर्घटना करूर-सेलम राजमार्ग पर हुई जब बेंगलूरु से नागरकोविल जा रही बस एक ट्रैक्टर से टकराकर दाईं ओर मुड़ गई जिसके बाद वह डिवाइडर को तोड़ते हुए विपरीत दिशा में तूतीकोरिन से आ रही पर्यटक वैन से टकरा गई।

टक्कर के कारण बस, ट्रैक्टर और वैन के अगले हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

कोलकाता के एक श्रद्धालु ने भगवान वेंकटेश्वर मंदिर को 3.6 करोड़ रुपये के स्वर्ण आभूषण दान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/तिरुपति। कोलकाता के एक श्रद्धालु ने शुक्रवार को यहां भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में 3.63 करोड़ रुपये मूल्य के स्वर्ण आभूषण दान किए। कोलकाता के संजीव गोयनका ने 5.2 किलोग्राम हीरे और रत्न जड़ित आभूषण दान किए, जिनकी कीमत 3.63 करोड़ रुपये है।

मंदिर प्रबंधन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि शुक्रवार को तिरुमाला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी को स्वर्ण आभूषण चढाए गए।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि आभूषण तिरुमाला के रंगनायकुला मंडपम में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी को सौंप दिए गए।

आगामी शैक्षणिक वर्ष में मेडिकल, डेंटल पाठ्यक्रमों की फीस में वृद्धि नहीं होगी : कर्नाटक मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने शनिवार को कहा कि निजी मेडिकल कॉलेजों के दबाव के बावजूद आगामी शैक्षणिक वर्ष में मेडिकल और डेंटल पाठ्यक्रमों की फीस में किसी प्रकार की कोई वृद्धि नहीं की जाएगी। एक बयान के मुताबिक, मंत्री ने निजी मेडिकल और डेंटल कॉलेज प्रबंधन के पदाधिकारियों के साथ बैठक में यह स्पष्ट किया।

निजी कॉलेजों ने फीस में 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की अपील की थी, जिस पर मंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछले वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि की अनुमति दी थी और इस वर्ष फीस में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। पाटिल ने पिछले वर्ष की 10 प्रतिशत वृद्धि को पर्याप्त बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि इस वर्ष फीस में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस निर्णय को औपचारिक रूप देने वाले समझौते पर जल्द ही हस्ताक्षर किए जाएंगे।

इसमें कोई राजनीति नहीं है : 'ऑपरेशन सिंदूर' संबंधी प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्व पर थरूर ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। आतंकवाद पर पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रुख रखने के लिए विदेश में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के केंद्र के निमंत्रण को स्वीकार करने के अपने फैसले पर कायम कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा, मुझे इसमें कोई राजनीति नहीं दिखती।

साथ ही उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के लिए कांग्रेस द्वारा किसी नाम के सुझाव के बारे में जानकारी होने से इनकार करते हुए कहा कि यह पार्टी और केंद्र सरकार के बीच का मामला है।

थरूर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विदेश मामलों को संभालने के उनके पिछले अनुभव को देखते हुए हाल ही में उन्हें प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया और मैंने तुरंत सहमति दे दी।

तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद ने कहा, मुझे इसमें कोई राजनीति नहीं दिखती। मेरे अनुसार, जब हमारा एक राष्ट्र होता है तो राजनीति महत्वपूर्ण हो जाती है। हम सभी भारतीय हैं। जब राष्ट्र संकट में होता है और केंद्र सरकार किसी नागरिक की मदद मांगती है, तो आप इसके अलावा और क्या जवाब देंगे।

उन्होंने आगे कहा कि सभी ने पाकिस्तान के साथ 88 घंटे तक चली लड़ाई देखी है और इसलिए, दुनिया हमारे बारे में क्या कह रही है, इसमें हम सभी की भूमिका होनी चाहिए। थरूर ने कहा, इसी भावना के साथ मैंने इस पर सहमति जताई। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस उनके निर्णय से नाखुश है और उसने प्रतिनिधिमंडल के लिए जिन लोगों के नाम सुझाए थे, उनके नाम क्यों जारी किए, थरूर ने कहा कि मीडिया को ये सवाल पार्टी से पूछना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी को उनके प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने पर कोई आपत्ति है, तो उन्होंने कहा, आपको उनसे (कांग्रेस से) पूछना होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्हें रीजीजू का फोन आया और प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित किया गया तो उन्होंने पार्टी को इसकी जानकारी दे दी थी। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी प्रतिनिधिमंडल के लिए सुझाए गए नामों को जारी करके उनका अपमान करने की कोशिश कर रही है, थरूर ने कहा कि उनका इतनी आसानी से अपमान नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, मैं अपनी कीमत जानता हूं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उनसे राष्ट्र के लिए सेवा चाहती है और वह इसके लिए हमेशा तैयार हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सेवा हर नागरिक का कर्तव्य है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब देश पर हमला होता है तो मेरे अनुसार हम सबका एक स्वर में बोलना और एकजुट होकर खड़ा होना देश के लिए अच्छा है।

आदमखोर बाघ की कैमरे में हुई पहचान, तलाश तेज

मलप्पुरम। केरल के मलप्पुरम जिले में दो दिन पहले कालीकावु के पास रबर बागान में काम करने वाले एक श्रमिक की जान लेने वाले बाघ की तस्वीर इलाके में लगे '50 कैमरा ट्रैप' में से एक में दर्ज होने के बाद शनिवार को उसकी तलाश तेज कर दी गई। वन विभाग ने यह जानकारी दी।

बाघ की तलाश कर रहे वनकर्मियों की टीम के साथ मौजूद वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. अरुण जकारिया ने बताया कि इलाके में लगाए गए 'कैमरा ट्रैप' में से एक में बाघ की तस्वीर दर्ज हुई है। उन्होंने बताया कि 'वन्यजीव डेटाबेस' से तस्वीर का मिलान करने पर बाघ की पहचान 'साइलेंट वैली नेशनल पार्क' के बाघ के रूप में हुई। अधिकारी ने यह भी कहा कि नीलांबुर दक्षिण के वर्तमान प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) का तबादला ''एक झटका'' है, क्योंकि इससे मौजूदा तलाश अभियान प्रभावित होगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, वह (डीएफओ) तलाश अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। इसलिए, इससे (अभियान) निश्चित रूप से प्रभावित होगा। यह एक झटका है।

दूसरी ओर, राज्य के वन मंत्री एके ससींद्रन ने सवाल उठाया कि जब स्थानीय निवासियों ने डीएफओ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था, तो उनका तबादला करने में क्या गलत है। मंत्री ने पूछा, वह (डीएफओ) वहां जनता के आक्रोश का कारण थे। तो क्या उन्हें नहीं हटाया जाना चाहिए? राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर नीलांबुर दक्षिण के प्रभागीय वन अधिकारी धनिक लाल को सहायक वन संरक्षक के रूप में तिरुवनंतपुरम स्थानांतरित कर दिया। सरकारी आदेश के अनुसार, यह कदम मुवत्तुपुझा की एक अदालत में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत धनिक लाल के खिलाफ लंबित अभियोजन स्वीकृति के मद्देनजर लिया है।

कांग्रेस विधायक ए पी अनिल कुमार ने अचानक स्थानांतरण पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे बाघ की तलाश के लिए जारी अभियान पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, सरकार के पास किसी अधिकारी को स्थानांतरित करने का निर्णय लेने का अधिकार है, लेकिन इसका परिणाम यह नहीं होना चाहिए कि तलाश अभियान नेतृत्व विहीन हो जाए। विधायक ने यह कहा कि सरकार इस आदेश के माध्यम से अपनी गलतियों को छुपा नहीं सकती। धनिक लाल ने पहले बताया था कि बाघ की तलाश के लिए 50 से अधिक कैमरा ट्रैप और थर्मल ड्रोन कैमरे लगाए गए हैं, लेकिन अभी तक क्षेत्र में बाघ का कोई सुराग नहीं मिला है। डीएफओ ने एक टीवी चैनल से कहा था, तलाश अभियान जारी रहेगा। हम गूगल मैप की भी मदद ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि कुछ स्थानों पर घनी झाड़ियां हैं, जो बाघ के छिपने के लिए उपयुक्त स्थान हो सकती हैं।

अधिकारी ने कहा, छिपने की ऐसी जगहों को खत्म करने के लिए हम क्षेत्र के किसान समूहों और पंचायत के साथ चर्चा करेंगे, क्योंकि घनी झाड़ियों को साफ करने के लिए सभी की मदद की आवश्यकता होगी। जब तक बाघ मिल नहीं जाता तब तक वन विभाग तलाश अभियान जारी रखेगा। कैमरों और ड्रोन के अलावा विभाग ने बाघ की तलाश को कुमकी हाथियों (प्रशिक्षित हाथी) और 20 वनकर्मियों की तीन टीम को तैनात किया है। रबर बागान में काम करने के लिए जाते समय बृहस्पतिवार को गफूर (45) पर बाघ ने हमला कर दिया था और उसे जंगल में खींचकर ले गया था। गफूर के साथ उस समय उसका एक दोस्त भी मौजूद था।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के ज्ञानभारती सभागार में शनिवार को कर्नाटक लघु उद्योग संघ (कास्सिया) द्वारा आयोजित अमृत महोत्सव समारोह में स्मारिका का विमोचन करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं संघ के पदाधिकारी।

जब सभी को समान अवसर, न्याय मिलता है तभी संविधान सफल होता है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उल्लाल (मंगलूरु)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि जब सभी को समान अवसर और न्याय मिलता है तभी संविधान सफल होता है, इसीलिए उनकी सरकार सभी जातियों और धर्मों के गरीबों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए कई जनकल्याणकारी कार्यक्रम लागू किए गए हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को यहां उल्लाल स्थित सैयद मदनी दरगाह के उर्स कार्यक्रम के दौरान एक सामाजिक सद्भाव सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद उसे संबोधित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमाम आलोचनाओं के बावजूद उनकी सरकार गरीबों के उत्थान के लिए इन योजनाओं को जारी रखेगी। उन्होंने कहा, हमें विविधता में एकता देखनी चाहिए। हम सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रहे हैं। जब सभी को समान अवसर और न्याय मिलता है तभी संविधान सफल होता है। सरकार इसी रास्ते पर चल रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दरगाह पर जियारत भी की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर और उल्लाल के काजी कांथापुरम ए.पी. अबूबकर मुस्लियार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री कृष्णा बायरेगौड़ा, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव, शहरी विकास मंत्री बी. सुरेश, पौर प्रशासन मंत्री रहीम खान, मंजेश्वर विधायक ए.के.एम. अशरफ एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सी.एम. इब्राहिम सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री का घेराव करने का प्रयास करने पर भाजयुमो कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए : कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के दक्षिण कन्नड़ जिले के दौरे के दौरान शुक्रवार को मंगलूरु में उनका घेराव करने का प्रयास कर रहे भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

'भारत शत्रुता नहीं करता, लेकिन दुस्साहस करने वालों को सबक सिखाने से पीछे भी नहीं हटता': मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने शनिवार को जयपुर में बड़ा बयान दिया। उन्होंने बिना किसी देश का नाम लिए स्पष्ट संकेत दिया कि भारत शांतिप्रिय देश है, लेकिन यदि कोई दुस्साहस करेगा, तो उसे मुंहतोड़ जवाब देने से पीछे नहीं हटेगा।

सीकर रोड स्थित रविनाथ आश्रम में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि भारत किसी से शत्रुता नहीं करता, लेकिन यदि कोई दुस्साहस करेगा तो भारत उसे सबक सिखाने में भी पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा कि भारत कई देशों का 'बड़ा भाई' है, लेकिन उसे इस भूमिका का अहंकार नहीं करना चाहिए। बड़े भाई के रूप में सही दिशा में मार्गदर्शन देना हमारा धर्म है।

डॉ. भागवत ने आश्रम आने के पीछे की वजह बताते हुए कहा, लोगों के मन में सवाल हो सकता है कि मैं रविनाथ आश्रम क्यों आया? इसका उत्तर है कि मैं रविदास जी का भक्त हूं, उन्हीं के कारण यहां आया हूं। आश्रम में उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। उन्हें केसरिया साफा पहनाकर, श्रीफल और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत भजन भी गाए गए।

अपने संबोधन में संघ प्रमुख ने भारत की भूमिका और शक्ति पर जोर देते हुए कहा कि दुर्बल कुछ नहीं कर सकता, दुनिया में अपनी शक्ति दिखानी होती है। हम सभी से उनके हितों के अनुसार व्यवहार करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सहयोग की भावना से कार्य करता है, चाहे परिस्थितियां विपरीत ही क्यों न हों। भागवत ने संतों की भूमिका को भी सराहा। उन्होंने कहा कि संत जहां भी हों, वहां जाओ। बच्चों को संस्कार दो कि वे संतों के सान्निध्य में जाएं। हम महात्माओं के पास से रिचार्ज होकर जाते हैं। इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, संघ के प्रचारक, स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में साधु-संत मौजूद रहे।

अपने संबोधन की शुरुआत डॉ भागवत ने भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं से की। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के कई देशों का बड़ा भाई है, लेकिन हमें इसका घमंड नहीं करना है। बड़े भाई की जिम्मेदारी निभाते हुए भारत समय-समय पर सभी को सही मार्ग दिखाने का कार्य करता है।

हाल ही में हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' का अप्रत्यक्ष जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दुर्बल कुछ नहीं कर सकता, दुनिया को शक्ति दिखानी होती है। भारत का दृष्टिकोण सहयोग और समरसता का है, लेकिन जब ज़रूरत पड़े तो हम अपनी ताकत का प्रदर्शन करना भी जानते हैं।

संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि भारत सदैव दूसरों के हित में काम करता हैर्शींशप जब हालात विपरीत होते हैं। हमारे देश का मूल स्वभाव मदद करना है। दुनिया में सभी एक हैं, यह संदेश हमारे संत और महात्मा सनातन काल से देते आए हैं। उन्होंने कहा, संतों के सानिध्य से ऊर्जा मिलती है। हमें अपने बच्चों को भी संतों के पास ले जाना चाहिए ताकि वे संस्कारित हों। इस मौके पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में साधु-संतों ने देशभक्ति से ओतप्रोत भजन प्रस्तुत किए और डॉ भागवत ने आश्रम में आने का कारण भी साझा किया। उन्होंने कहा, मैं रविदास जी का भक्त हूं और उन्हीं के कारण आज यहां आया हूं।

निष्पक्षता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते विधानसभा अध्यक्ष के कई फैसले : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि राज्य विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा लगातार ऐसे फैसले किए जा रहे हैं जो इस पद की गरिमा एवं निष्पक्षता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं।

गहलोत के अनुसार, पहले उन्होंने (विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी) कांग्रेस के छह विधायकों को निलंबित किया। इसके बाद पहली बार ऐसा हुआ कि मीडिया में आईं अपुष्ट खबरों को लेकर सदन में चर्चा की तथा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा पर उनकी अनुपस्थिति में अवांछित टिप्पणी की जो जनमत का अपमान थी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, एक मई 2025 को भाजपा विधायक को तीन साल की सजा होने के बावजूद 17 दिन बीत जाने पर भी उनकी सदस्यता रद्द नहीं की है जबकि लिली थॉमस मामले में उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्देश हैं कि सांसद या विधायक को दो वर्ष की सजा होने पर उनकी सदस्यता सजा सुनाए जाने वाले दिन से ही रद्द हो जाएगी।

उन्होंने कहा, अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व सांसद एवं मौजूदा विधायक नरेंद्र बुडानिया को 30 अप्रैल को विशेषाधिकार समिति का अध्यक्ष बनाया गया और अब केवल 15 दिन बाद ही उन्हें विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया। इन समितियों के अध्यक्ष का कार्यकाल सामान्यत कम से कम एक वर्ष का होता है। ऐसा विधानसभा में संभवत: पहली बार हुआ है कि 15 दिन में ही अध्यक्ष बदला गया हो। गहलोत के अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा किए गए ऐसे फैसले उनकी निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

पत्नी को मरने के लिये मजबूर करने के दोषी को पांच वर्ष का कठोर कारावास

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा के महिला उत्पीड़न मामलात न्यायालय ने दहेज के लिये पत्नी को पुत्री सहित मरने के लिये मजबूर करने के दोषी को शनिवार को पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। विशिष्ट न्यायायाधीश ने अभियुक्त महादेव गुर्जर को अपनी पत्नी लाली को दहेज के लिये प्रताड़ित करके उसे पुत्री सहित आत्महत्या के लिये मजबूर करने का दोषी करार देते हुए उस पर 40 हजार रुपये का जुर्माना भी किया। मामले के अनुसार फूलियाकला थाना क्षेत्र में सात फरवरी 2017 को लाली ने महादेव द्वारा दहेज के लिये प्रताड़ित करने से तंग आकर अपनी ढाई वर्ष की पुत्री सहित कुंए में कूदकर आत्महत्या कर ली थी।

कांग्रेस नेता के घर में लूट की साजिश रचने वाला नौकर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के पॉश इलाके वैशाली नगर में कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर हुई डकैती के मामले में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस सनसनीखेज मामले में घर के नौकर भरत बिष्ट और उसके साथी हरि बहादुर धामी को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि डकैती में शामिल भरत की पत्नी काजल और दो अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। वारदात में लूटे गए नकदी और गहनों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस के मुताबिक, भरत बिष्ट (28) मूल रूप से नेपाल का निवासी है और वह 28 अप्रैल से संदीप चौधरी के घर में बतौर घरेलू सहायक काम कर रहा था। भरत ने ही पूरी लूट की योजना बनाई और अपने साथी हरि बहादुर धामी (29) को नेपाल से बुलाकर वारदात को अंजाम दिलवाया। इस वारदात में भरत की पत्नी काजल समेत कुल पांच लोग शामिल थे।

14 मई की दोपहर जब घर में कांग्रेस नेता की मां कृष्णा चौधरी, पत्नी ममता चौधरी, बेटा राजदीप और बेटी राजश्री मौजूद थे, तब इस गिरोह ने डकैती को अंजाम दिया। भरत और उसकी पत्नी काजल ने चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर कृष्णा और ममता को बेहोश कर दिया। इसके बाद नकदी और आभूषण समेट कर पांचों बदमाश मौके से फरार हो गए। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल डीसीपी आलोक सिंघल के नेतृत्व में विशेष टीमें बनाई गईं। तकनीकी शाखा की मदद से आरोपियों के हुलिए और मूवमेंट का अध्ययन किया गया। सीसीटीवी फुटेज में हरि बहादुर धामी को सबसे पहले घर में प्रवेश करते हुए देखा गया, जिससे पुलिस को उसके शामिल होने की पुष्टि हुई।

पुलिस ने डकैती के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए टीमें बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और नेपाल बॉर्डर की ओर रवाना कीं। तकनीकी सर्विलांस और मानवीय इंटेलिजेंस के आधार पर 16 मई को उत्तराखंड के रास्ते नेपाल बॉर्डर पार करने से पहले भरत बिष्ट और हरि बहादुर धामी को धर दबोचा गया। दोनों से अब गहन पूछताछ की जा रही है।

इस पूरे मामले में एक और चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि भरत और काजल को एक प्लेसमेंट एजेंसी के ज़रिए नौकरी पर रखा गया था। पुलिस अब इस एजेंसी की भी जांच कर रही है कि क्या उन्हें इनकी पृष्ठभूमि की पूरी जानकारी थी या नहीं। इस वारदात ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि किस हद तक घरेलू नौकरों की पृष्ठभूमि जांचना जरूरी है। जयपुर जैसे बड़े शहरों में प्लेसमेंट एजेंसियों की भरमार है, लेकिन उनके सत्यापन और जांच प्रक्रिया अक्सर लापरवाह होती है। संदीप चौधरी का परिवार आज इस लापरवाही की कीमत चुका रहा है। पुलिस फिलहाल फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और उन्हें पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमों को तैनात किया गया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या यह गिरोह पहले भी ऐसी वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस की प्राथमिकता अब लूटी गई संपत्ति को बरामद करना और पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करना है।

खुदाई के दौरान मिले महाभारत काल के अवशेष

डीग। जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने आज पंचायत समिति डीग के ग्राम बहज में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) द्वारा चल रहे उत्खनन स्थल का दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद पुरातत्वविदों से अब तक मिले प्राचीन अवशेषों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। ब्रज क्षेत्र में स्थित यह स्थल प्राचीन सभ्यताओं के अनमोल खजाने के रूप में उभरा है, जो एएसआई के लिए एक महत्वपूर्ण खोज है। अपने निरीक्षण के दौरान, कलेक्टर कौशल ने उत्खनन स्थल पर विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों के संरचनाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्थल से प्राप्त विभिन्न कलाकृतियों और वस्तुओं को देखा और उनके ऐतिहासिक महत्व को समझा। इस दौरान एएसआई के कर्मचारी लगातार उत्खनन कार्य में जुटे रहे और उन्होंने कलेक्टर को खोजों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कौशल ने कुषाण काल से लेकर महाभारत काल तक के बताए जा रहे अवशेषों के नमूनों का भी निरीक्षण किया और स्वयं गहराई तक जाकर साइट का जायजा लिया। एएसआई अधिकारियों ने कलेक्टर को स्थल की ऐतिहासिक महत्ता के बारे में विस्तार से बताया। उल्लेखनीय है कि कल, 18 मई रविवार को डीग के जल महल स्थित नंद भवन में बहज उत्खनन स्थल से प्राप्त विभिन्न कालखंडों की वस्तुओं की एक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी।

सम्मान

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी बीकानेर यात्रा से पहले तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया।

राज्य में पर्यटन एवं फिल्म नीति जल्द होगी जारी : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की अध्यक्षता में पर्यटन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में गुरुवार को शासन सचिवालय में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री ने राज्य में पर्यटन नीति, फिल्म नीति शीघ्रता से जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य में एडवेंचर योजना पर कार्य किये जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही विभिन्न पर्यटन साइट्स पर पर्याप्त संख्या में सीसी टीवी कैमरे लगाये जाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने राज्य में पर्यटन नीति, फिल्म नीति को अंतिम रूप से तैयार कर, शीघ्र ही जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही राज्य में एडवेंचर योजना पर कार्य करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पुष्कर सरोवर की डीपीआर में सरोवर के कार्यों सहित घाट के सौंदर्यकरण का कार्य एवं अन्य वाँछित उपयोगी कार्यों को प्राथमिकता से लेने के निर्देश भी प्रदान किये।

उपमुख्यमंत्री ने श्री खाटूश्याम जी का सुनियोजित विकास कार्य किया जाने तथा वहां दर्शनार्थियों की सुविधा पर फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर में प्रवेश और निकासी की बेहतर सुविधा विकसित किये जाने के निर्देश दिए। दीया कुमारी ने मालासेरी डूंगरी के विकास कार्यों की विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र में विकास कार्य करवाये जाने के निर्देश दिए इसके साथ ही उन्होंने जयपुर सहित पर्यटन साइट्स पर स्वच्छता एवं साफ सफाई के कार्यों की चर्चा की और निर्देश दिए कि पर्यटन साइट्स पर मुख्य रूप से पेयजल की सुविधा के साथ शौचालयों की बेहतर सुविधाएं विकसित की जाए। उन्होंने पर्यटन साइट्स पर पर्याप्त संख्या में सीसी टीवी कैमरे लगाएं जाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जयपुर के आमेर क्षेत्र में कॉन्सेर्ट वेंन्यु विकसित किये जाने की सम्भावनाओं को तलाशने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने चौड़ा रास्ता स्थित टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) के बेहतर उपयोग का प्लान बनाने के निर्देश प्रदान किये। दीया कुमारी एनएचएआई द्वारा राज्य के चार स्थान आमेर, रणथंबोर, चित्तौड़ एवं बांसवाड़ा में स्थापित किए जाने वाले रोप वे की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही अजमेर के चामुंडा माता मंदिर पर रोप वे स्थापना हेतु कार्यवाही प्रारमभ करने के निर्देश प्रदान किए। दीया कुमारी ने शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण कार्य हेतु चर्चा की।समीक्षा बैठक में पर्यटन विभाग के विभिन्न बिंदुओं जैसे अल्बर्ट हॉल के जीर्णोद्धार, लाइट एंड साउंड शो, बावड़ियों का जीर्णोद्धार, डेजर्ट टूरिज्म झुंझुनू में वार म्यूजियम के लिए चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार जैसलमेर के वार म्यूजियम पर भी चर्चा की और निर्देश दिए। टैगोर योजना पर चर्चा की गई।

राजस्थान में जल्द आएगी रोजगार नीति

जयपुर । प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को राहत देने के लिए भजनलाल सरकार जल्द ही रोजगार नीति लाने जा रही है । इस नीति के जरिये एक पोर्टल और एप के जरिये बेरोजगार युवक और रोजगार देने वाले आपस में जुड़ सकेंगे और सीधे सम्पर्क में आने के बाद बेरोजगार युवकों को रोजगार मिलना आसान हो जायेगा । इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के बाद बेरोजगार युवक के सभी दस्तावेज खुद ही सत्यापित हो जायेंगे और नौकरी देने वाली कंपनी या संस्था अपनी जरूरत के हिसाब में रोजगार चाहने वाले युवाओं का चयन कर सकेगी । राजस्थान कौशल आजीविका विकास निगम के शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने बताया कि इस एप और पोर्टल पर करियर काउंसलिंग की व्यवस्था भी उपलब्ध कराएंगे।

पश्चिमी राजस्थान को जल संकट से राहत, नहरों में पहुंचेगा पानी : सांसद राजेंद्र गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । पानी की किल्लत से जूझ रहे पश्चिमी राजस्थान के जिलों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। राजस्थान सरकार और पंजाब सरकार के बीच हाल ही में हुए महत्वपूर्ण समझौते के तहत हरिके बैराज से राजस्थान के हिस्से का पानी छोड़ा गया है। राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने इस पहल के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया।

राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि पंजाब लंबे समय से राजस्थान के हिस्से का पानी नहीं छोड़ रहा था, लेकिन अब मुख्यमंत्री के प्रयासों से यह संभव हो पाया है। इस पानी से अब पश्चिमी राजस्थान में गर्मियों के दौरान जल संकट नहीं रहेगा और नहरों में भरपूर मात्रा में पानी पहुंचेगा।

बता दें कि राजस्थान सरकार और पंजाब सरकार के बीच हुए इस समझौते के तहत सबसे पहले 600 क्यूसेक पानी छोड़ा गया और अब 18 मई तक पूरी क्षमता से पानी छोड़ा जाएगा। इससे न केवल जल संकट से राहत मिलेगी, बल्कि नहरों में पूरी क्षमता से पानी पहुंचने से सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में भी सुधार होगा।

सिंधु जल को राजस्थान की ओर लाने की बढ़ती मांग को लेकर भी गहलोत ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि सिंधु जल को वेस्टर्न रूट कैनाल के जरिए राजस्थान तक लाया जा सकता है और प्रदेश के पास इस पानी को संग्रहित और उपयोग में लाने की पूरी क्षमता है। राज्य में कई नहरें, नलकूप, बावड़ियां और तालाब हैं जो खाली पड़े हैं और सिंधु जल से उन्हें भरा जा सकता है। साथ ही, लंबे समय से पानी के अभाव में जमा हुई मिट्टी को भी साफ किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सपना भी साकार होगा।

वहीं विपक्ष द्वारा सिंधु ऑपरेशन और अमेरिका की मध्यस्थता को लेकर उठाए गए सवालों पर गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कुत्ते की पूंछ टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है।

राजस्थान में अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस श्रीगंगानगर में दर्ज किया गया

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे की अवधि में श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई, पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। सर्वाधिक बारिश 15 मिलीमीटर सरदारगढ़ (राजसमंद) में हुई। इस दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं भीषण गर्मी पड़ी। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस श्रीगंगानगर में रहा जो सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रतिनिधिमंडल के लिए थरूर को नामित न करने पर भाजपा ने कांग्रेस से सवाल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत का संदेश पहुंचाने के लिए विदेश में राजनयिक संपर्क प्रतिनिधिमंडलों के लिए कांग्रेस द्वारा नेताओं की पसंद पर शनिवार को सवाल उठाया और आश्चर्य जताया कि क्या उसने पार्टी सांसद शशि थरूर को इसलिए नामित नहीं किया क्योंकि वे आलाकमान से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सरकार ने विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष थरूर को आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रुख रखने के वास्ते विदेश जाने वाले सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व करने के लिए नामित किया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी की तरफ से पाक प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख रखने के लिए चार नेताओं पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई, राज्य सभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन और लोकसभा सदस्य अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को नामित किया गया है।

रमेश के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, शशि थरूर की वाकपटुता, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी के रूप में उनके लंबे अनुभव और विदेश नीति के मामलों पर उनकी गहरी

अंतरदृष्टि को कोई नकार नहीं सकता। उन्होंने कहा, तो फिर कांग्रेस पार्टी - और विशेषकर राहुल गांधी - ने प्रमुख मुद्दों पर भारत की स्थिति स्पष्ट करने के लिए विदेश भेजे जाने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में उन्हें नामित क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा, क्या यह असुरक्षा है? ईर्ष्या है? या फिर 'हाईकमान' से बेहतर दिखने वाले किसी भी व्यक्ति के प्रति असहिष्णुता है? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, इसलिए, जयराम रमेश अपने ही कांग्रेसी शशि थरूर को संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने का विरोध कर रहे हैं।

भंडारी ने पूछा, राहुल गांधी भारत के लिए बोलने वाले हर व्यक्ति से नफरत क्यों करते हैं, यहां तक कि अपनी पार्टी में भी? 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में मालवीय ने आरोप लगाया कि भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए कांग्रेस की तरफ से दिए गए विकल्प न केवल चौंकाने वाले हैं, बल्कि गंभीर रूप से संदिग्ध भी है। भाजपा नेता ने कहा, उदाहरण के लिए, भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधिमंडल में सैयद नासिर हुसैन को शामिल करना, वाकई चौंकाने वाला है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह उनके समर्थक ही थे जिन्होंने राज्यसभा में उनकी जीत का जश्न मनाते हुए विधान सौध के अंदर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट, परिस्थितिजन्य साक्ष्य और गवाहों के बयानों के आधार पर घटना के सिलसिले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, गौरव गोगोई के बारे में जितना कम कहा जाए, उतना अच्छा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गोगोई पर पाकिस्तान में 15 दिन बिताने का आरोप लगाया है और कहा है कि अटारी सीमा पर उनके आगमन और प्रस्थान को आधिकारिक रूप से दर्ज किया गया था।

पाकिस्तानियों सहित साइबर अपराधियों को मोबाइल कनेक्शन देने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम पुलिस ने शनिवार को एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया, जो लोगों को ठगने के लिए व्हाट्सऐप अकाउंट खोलने के वास्ते पाकिस्तानियों सहित साइबर अपराधियों को मोबाइल फोन कनेक्शन उपलब्ध कराता था। इस गिरोह के सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'ऑपरेशन घोस्ट सिम' सैन्य खुफिया विभाग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर शुरू किया गया, जिसमें असम, राजस्थान और तेलंगाना में सक्रिय एक गिरोह के बारे में जानकारी दी गई थी। सूचना को असम पुलिस की विशेष शाखा और विशेष कार्य बल द्वारा कार्रवाई योग्य जानकारी के रूप में इस्तेमाल किया गया। शुक्रवार दोपहर असम के दो जिलों, तेलंगाना के एक जिले और राजस्थान के दो जिलों में एक साथ छापेमारी कर गिरफ्तारियां की गईं। उन्होंने कहा कि देश में साइबर अपराधियों को नए मोबाइल कनेक्शन दिलाने में मदद करने के अलावा गिरोह पाक में अपराधियों को भारतीय मोबाइल नंबरों वाले व्हाट्सऐप अकाउंट भी उपलब्ध कराता था। पीड़ितों को लगा कि उन्हें भारतीय नंबरों से कॉल आ रही हैं, लेकिन वास्तव में वे कॉल पाकिस्तान से आ रही थीं।

कोविड के दौरान नीतीश सरकार की असंवेदनशीलता के कारण मैं राजनीति में आया: प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान बिहार में नीतीश कुमार सरकार की कथित असंवेदनशीलता ने उन्हें अपने गृह राज्य में राजनीति में उतरने के लिए प्रेरित किया।

प्रशांत किशोर ने उन आरोपों को भी खारिज किया है कि उन्होंने सत्ता का आनंद लेने के लिए अपनी खुद की पार्टी बनाई है, जो राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। किशोर ने एक पॉडकास्ट में कहा, मैंने 2015 के विधानसभा चुनाव में बिहार में महागठबंधन को एक बड़ी जीत दिलाने में मदद की थी। अगर मैं अपने लिए कोई पद चाहता तो मैं वह उसी समय पा सकता था। किशोर (47) की परामर्श कंसल्टेंसी फर्म आईपीएसी नरेन्द्र मोदी, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल जैसे विविध नेताओं के प्रचार अभियान को संभालने का दावा करती है। उन्होंने कहा कि ''लोगों को सितारों की अपील के कारण फिल्म देखने की अपेक्षा नेता के लिए वोट देते समय अधिक सावधान रहना चाहिए। जन सुराज पार्टी के संस्थापक किशोर ने कहा, चुनाव में बहुत कुछ दांव पर लगा होता है...लोग अक्सर कहते हैं कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट देंगे, क्योंकि वे सही काम करते हुए दिखना चाहते हैं। लेकिन वे जाति और धर्म के बहकावे में आ जाते हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने गृह राज्य बिहार की सेवा करने का मन तब बनाया जब मैंने वैश्विक कोविड महामारी के दौरान यहां सरकार की असंवेदनशीलता देखी।

पाकिस्तान को आईएमएफ के कर्ज पर अमेरिकी दबाव के आगे झुक गई सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा पाकिस्तान को कर्ज दिए जाने के मामले में अमेरिका के दबाव के आगे झुक गई और विरोध में मतदान नहीं किया। भारत ने पाकिस्तान को कर्ज दिए जाने का विरोध करते हुए आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड की बैठक में मतदान से दूरी बनाई थी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अब 9 मई, 2025 को पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर से अधिक का ऋण मंजूर करने के लिए आईएमएफ की आलोचना कर रहे हैं, जबकि 29 अप्रैल को ही, मोदी सरकार के जागने से पहले कांग्रेस ने स्पष्ट रूप से कहा था कि आईएमएफ़ के कार्यकारी बोर्ड की बैठक 9 मई को होने जा रही है और भारत को पाकिस्तान को दिए जाने वाले इस ऋण प्रस्ताव का मजबूती से विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हुआ यह कि नौ मई को भारत ने सिर्फ मतदान से दूरी बना ली।

रमेश के अनुसार, जब यह सामने आया कि भारत ने मतदान में भाग ही नहीं लिया, तो बाद में मोदी सरकार के ढोल पीटने वालों, जयजयकार करने वालों और सरकार का बचाव करने वालों ने यह दलील देना शुरू कर दिया कि भारत के पास इसके अलावा कोई और विकल्प ही नहीं था। उन्होंने दावा किया, यह सरासर झूठ है। आईएमएफ की कार्यकारी बोर्ड में ना में मतदान करने का स्पष्ट प्रावधान है। रूस ने सितंबर 2016 में यूक्रेन को दिए जाने वाले ऋण प्रस्ताव पर ना में वोट दिया था, और भारत ने भी 11 सितंबर 2005 को ज़िम्बाब्वे को निष्कासित करने के मुद्दे पर ना में मतदान किया था।

बाबूलाल मरांडी ने झारखंड की नई आबकारी नीति को 'एक और घोटाले की पटकथा' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड सरकार की नई आबकारी नीति को ''एक और घोटाले की पटकथा'' करार देते हुए प्रदेश भाजपा प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को मांग की कि प्रति व्यक्ति शराब की केवल एक खुदरा दुकान आवंटित की जाए। मरांडी ने दावा किया कि नई आबकारी नीति राज्य में कुछ चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए बनायी गई है।

झारखंड कैबिनेट ने बृहस्पतिवार को नई आबकारी नीति को मंजूरी देते हुए निजी कंपनियों को राज्य में शराब की खुदरा बिक्री की अनुमति दी।

इस नीति के तहत एक व्यक्ति एक जिले में अधिकतम 12 दुकानें और पूरे राज्य में 36 दुकानें खरीद

सकता है, लेकिन इनका आवंटन लॉटरी प्रणाली के जरिए किया जाएगा।

मरांडी ने संवाददाताओं से कहा, हेमंत सोरेन सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान पेश की गई यह तीसरी आबकारी नीति है और यह घोटाले की एक और पटकथा प्रतीत होती है। किसी व्यक्ति या कंपनी को एक जिले में अधिकतम 12 दुकानें खोलने की अनुमति देने का प्रावधान बताता है कि यह नीति कुछ चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई है। उन्होंने कहा कि नीति का मॉडल बेरोजगार युवाओं, छोटे उद्यमियों या ग्रामीण समुदायों को लाभ नहीं पहुंचाएगा।

मरांडी ने कहा, मैं मांग करता हूं कि सरकार शराब कारोबार में समान अवसर और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 'प्रति व्यक्ति एक दुकान' की नीति अपनाए। इससे स्थानीय रोजगार भी पैदा होगा, क्योंकि झारखंड में 1,453 खुदरा शराब की दुकानें हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दुकानें केवल लाइसेंसशुदा व्यक्ति द्वारा ही संचालित की जाएं।

मरांडी ने आग्रह किया कि अनुसूचित क्षेत्रों में दुकानें केवल आदिवासियों को आवंटित की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दुकानें आवंटित करने में प्राथमिकता राज्य में हड़िया (चावल से बनी शराब) बेचने वाली महिलाओं को दी जानी चाहिए।

कोहली जैसे और खिलाड़ी आयेंगे : सांसद ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी कॉलेज के दिनों में मध्यम गति के प्रभावी गेंदबाज थे जिन्होंने 90 के दशक की शुरुआत में एक अंतर-विश्वविद्यालय फाइनल मैच में भविष्य के भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद से काफी बेहतर प्रदर्शन किया था।

अपने तीखे और धाराप्रवाह भाषणों के लिए मशहूर ओवैसी ने शनिवार को पीटीआई को दिए साक्षात्कार में उस मैच में 79 रन देकर छह विकेट लेने के वाकये को खुशी के साथ याद करते हुए बताया कि प्रसाद उस मैच में एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। प्रसाद की बेंगलौर विश्वविद्यालय की टीम ने हालांकि भविष्य के राजनेता की उस्मानिया यूनिवर्सिटी को हरा दिया था। ऑल इंडिया मजलिस-

ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता ओवैसी ने कहा, हम मैच हार गए लेकिन मुझे छह विकेट मिले थे और वेंकटेश को एक भी विकेट नहीं मिला था। हैदराबाद से सांसद ओवैसी से उस मैच से जुड़े 'डेक्कन क्रॉनिकल' के लेख की फोटो को अपने फोन में गर्व से दिखाया। इसमें दिन के खेल के बाद का स्कोरकार्ड भी था। रिपोर्ट में ओवैसी की एक छोटी सी तस्वीर भी छपी थी, उनके सिर पर बाल चिपके हुए थे और उनके चेहरे पर दाढ़ी नहीं थी। उन्हें इसके बाद दक्षिण क्षेत्र अंडर-25 टीम के लिए चुना गया और 1994 में विश्वविद्यालय टीमों के लिए राष्ट्रीय स्तर के एक दिवसीय टूर्नामेंट विज्ज़ी ट्रॉफी में वह खेले थे।

किस्मत को हालांकि कुछ और ही मंजूर था और वह 'लिंकन इन' में कानून की पढ़ाई के लिए लंदन चले गए। इसके बाद 'क्रिकेट का उनका अध्याय वहीं खत्म हो गया। उन्होंने विनम्रतापूर्वक इस बात को खारिज किया कि अगर खेल में बने रहते तो बड़े खिलाड़ियों की तरह लोकप्रियता हासिल करते जैसा कि हैदराबाद के मोहम्मद अजहरुद्दीन, आबिद अली, एम.एल. जयसिम्हा, गुलाम हुसैन और वीवीएस लक्ष्मण ने किया था। उनके लिए ये सभी सर्वकालिक महान खिलाड़ियों की सूची में है और वह बस एक औसत दर्जे के गेंदबाज थे। उन्होंने कहा, नहीं नहीं! मेरे नाम की तुलना अजहरुद्दीन से नहीं की जा सकती। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने 99 टेस्ट मैच खेले हैं।

नगालैंड के मुख्यमंत्री ने संतुलित, समावेशी कानून प्रणाली का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने संतुलित और समावेशी कानून प्रणाली का आह्वान किया जो समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से ग्रामीण और हाशिए पर मौजूद समुदायों की सेवा करे। उन्होंने राज्य के लिए एक अलग उच्च न्यायालय की स्थापना की भी हिमायत की।

कोहिमा जिले के मेरिएमा में नए उच्च न्यायालय परिसर में उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन (एचसीबीए) द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में, रियो ने पारंपरिक कानून के संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। जिस प्रकार हमारे पूर्वजों के ज्ञान ने हमारे समुदायों का मार्गदर्शन किया है, उसी प्रकार यह औपचारिक कानून प्रणाली के साथ भी सह-अस्तित्व में रह सकता है। रियो ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 371 (ए) के तहत संरक्षित पारंपरिक कानून, नागालैंड के कानूनी ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और आधुनिक न्यायशास्त्र के साथ-साथ इसका सम्मान किया जाना चाहिए। अगर हम केवल अदालतों को देखें, तो ग्रामीण क्षेत्रों में हमारे कई किसान और ग्रामीण कानूनी प्रक्रियाओं का खर्च नहीं उठा पाएंगे। वे अपने अधिकारों को पूरी तरह से छोड़ सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा ''जब न्याय दिया जाता है, तो शांति और सद्भाव कायम होता है। अन्याय विभाजन को जन्म देता है। मुख्यमंत्री ने नगालैंड में अलग उच्च न्यायालय के लिए केंद्रीय वित्त पोषण और मान्यता प्राप्त करने के लिए राज्य के जारी संघर्ष को भी रेखांकित किया रियो ने कहा कि नगालैंड के लिए एक अलग उच्च न्यायालय की स्थापना के वास्ते केंद्र से राज्य को अभी तक कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली है, जबकि केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय तथा प्रधान न्यायाधीश से कई बार अपील की गई।

राष्ट्र निर्माण में ईसाई संस्थानों के सकारात्मक योगदान को रेखांकित करें युवा: डेरेक ओ ब्रायन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने देश में ईसाईयों द्वारा संचालित स्वास्थ्य संस्थानों के योगदान को शनिवार को रेखांकित किया और युवाओं से राष्ट्र निर्माण में समुदाय द्वारा खासकर स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक भूमिका निभाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

ओ ब्रायन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम में ईसाई समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए इस बात पर भी जोर दिया कि युवाओं को राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के 'नकारात्मक प्रचार' में नहीं आना चाहिए और ईसाई संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों से लोगों को अवगत कराना चाहिए। राज्यसभा में टीएमसी के संसदीय दल के नेता ब्रायन ने कई ईसाई-संचालित गैर सरकारी संगठनों के एफसीआरए (विदेशी अंशदान -विनियमन- अधिनियम) लाइसेंस निलंबित किए जाने के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार की आलोचना की और कोविड-19 से होने वाली मौतों के आंकड़ों में विसंगतियों का भी आरोप लगाया।

ओ ब्रायन ने अखिल भारतीय कैथोलिक विश्वविद्यालय महासंघ (एआईसीयूएफ) के शताब्दी समारोह में 'परिवर्तन की तलाश में छात्र, स्वास्थ्य सेवा में ईसाई संस्थाओं की भूमिका' विषय पर मुख्य संबोधन दे रहे थे। टीएमसी नेता द्वारा संबोधित यह कार्यक्रम 'स्पीक अप' शृंखला का चौथा संस्करण है। ओ ब्रायन ने कहा, उन्हें (लोगों को) तथ्य, आंकड़े दिखाएं और इस अल्पसंख्यक समाज द्वारा हमारे महान राष्ट्र के निर्माण में जो बड़ा योगदान दिया है, उसे सामने लाएं।

भारतीय निशानेबाजी लीग से दर्शकों को आकर्षित करेंगे: एनआरएआई अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने कहा कि महासंघ फ्रेंचाइजी आधारित 'भारतीय निशानेबाजी लीग' से दर्शकों को आकर्षित करने करने का प्रयास करेगा और वह विदेशी संस्थाओं द्वारा हिस्सेदारी खरीदने के खिलाफ नहीं है।

देव ने यह बात महासंघ की इस टूर्नामेंट पर अहम फैसले लेने के लिए हुई बैठक के बाद कही। लीग का शुरुआती चरण इस साल के अंत में आयोजित किया जाना है। खेल की वैश्विक संस्था 'अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ' (आईएसएसएफ) ने आधिकारिक तौर पर लीग के लिए

नवंबर-दिसंबर की विंडो आवंटित की है और इसके 24 नवंबर से सात दिसंबर तक आयोजित होने की संभावना है। लीग में छह से आठ टीमों के मालिक होंगे और नीलामी के माध्यम से खिलाड़ियों के लिए बोली लगाई जाएगी। प्रत्येक टीम में 12 एथलीट (छह पुरुष, छह महिला) शामिल होंगे जिनमें अधिकतम चार विदेशी खिलाड़ी (दो पुरुष, दो महिला) शामिल होंगे। देव ने शनिवार को एनआरएआई की संचालन परिषद की बैठक के बाद कहा, हमने (संभावित) फ्रेंचाइजी के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

संत कबीरनगर में ट्रेन में आग लगने की अफवाह से यात्रियों में दहशत

संत कबीरनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के संत कबीरनगर जिला मुख्यालय के खलीलाबाद रेलवे स्टेशन के पास शनिवार अपराह्न को अंत्योदय एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22551) में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद यात्रियों के बीच दहशत फैल गई, जिसके कारण उन्हें ट्रेन से उतरना पड़ा। यह घटना शनिवार अपराह्न करीब दो बजे हुई, जब दरभंगा से जालंधर जा रही ट्रेन खलीलाबाद स्टेशन के बाहरी सिग्नल के पास रुकी।

अधिकारियों ने बताया कि इस अप्रत्याशित ठहराव और आग लगने की अफवाह के कारण अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि यात्री घबराए हुए ट्रेन की आपातकालीन खिड़कियों और दरवाजों से कोच से बाहर निकलने लगे। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की एक टीम भी मौके पर पहुंची।

इशांत शर्मा ने विराट कोहली के साथ दोस्ती पर कहा हमारे लिए, वह हमेशा 'चीकू' ही रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने विराट कोहली के साथ दिल्ली क्रिकेट में उनके शुरुआती दिनों की दोस्ती के बारे में बात करते हुए शनिवार को कहा कि यह स्टार उन लोगों के लिए हमेशा 'चीकू' ही रहेगा जो उनके साथ बड़े हुए हैं।

अंडर-17 से लेकर सीनियर भारतीय टीम तक कोहली के साथ खेलने वाले इशांत ने कहा कि पूर्व कप्तान की सार्वजनिक 'सुपर स्टार' की छवि उस व्यक्ति से अलग है जिसे वह बचपन से जानते हैं। इशांत ने 105 टेस्ट मैचों में 434 विकेट लिए हैं, उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गुजरात टाइटन्स के मैच की पूर्व संध्या पर 'स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम' में कहा, मुझे लगता है कि विराट कोहली (स्टार) बाहर के लोगों के लिए हैं। मैं उन्हें उस तरह नहीं देख सकता क्योंकि हम अंडर-17 में खेले हैं। वह मेरा बचपन का दोस्त है। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने अंडर-19 टीम के दिनों को याद किया जिसमें उन्होंने कमरे साझा किए, भोजन का बजट बनाया और यात्रा भत्ते बचाए। इशांत ने कहा, जब हम अंडर-19 में थे तो

हम गिनते थे कि हमारे पास कितना पैसा है। हम खाना खाते थे। जब हम अंडर-19 में जाते थे तो हम अपना यात्रा भत्ता बचाकर अपने साथ ले जाते थे। इसलिए विराट कोहली हर किसी के लिए अलग हैं। वह मेरे लिए अलग हैं। इशांत ने कहा कि कोहली के स्टारडम के बावजूद उनका रिश्ता भाई जैसा बना रहा। उन्होंने कहा, जरा सोचिए, आपका भाई इतनी ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। हर कोई सोच रहा है कि वह महान है। लेकिन आप देखेंगे कि आखिरकार वह एक इंसान है। आपने उसके साथ बहुत समय बिताया है। आप उसे अंदर और बाहर से जानते हैं। आप जानते हैं कि वह कहां से आया है, वह कैसा है और कैसा नहीं है। हाल में आईपीएल मैच से पहले दोनों को मैदान पर गले मिलते हुए देखा गया था, जिसकी तस्वीरें ऑनलाइन खूब शेयर की गई थीं। इशांत ने कहा कि उनके बीच क्रिकेट के बारे में बहुत कम बातचीत होती है और उ उनकी बातचीत में मजाक होता है। उन्होंने कहा, जब हम मिलते हैं तो हम कभी इस बारे में बात नहीं करते कि हमने इतने सारे टेस्ट मैच कैसे खेले। हम कभी इस बारे में बात नहीं करते। हम मजेदार चुटकुलों के बारे में बात करते हैं। यह हो रहा है, वह हो रहा है, इसे देखो, उसे देखो। मजाकिया चुटकुले।

इशांत ने कहा, मुझे कभी नहीं लगा कि वह विराट है। हमारे लिए वह 'चीकू' (कोहली का उपनाम) है। हमने हमेशा उसे ऐसे देखा है। उसने मुझे भी ऐसे ही देखा है। हम साथ सोते और एक कमरा साझा करते।

भारत की कप्तानी के लिए गिल, पंत बेहतर विकल्प, बुमराह को इस बोझ से बचाना चाहिए : शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टेस्ट प्रारूप में भारत की कप्तानी के लिए शुभमन गिल और ऋषभ पंत बेहतर विकल्प होंगे क्योंकि उनके पास इंडियन प्रीमियर लीग में कप्तानी का अनुभव है और इस भूमिका के लिए उनकी उम्र आदर्श है। शास्त्री ने इसके साथ कहा कि खेल के पारंपरिक प्रारूप में नेतृत्व की भूमिका के लिए जसप्रीत बुमराह सबसे अच्छे विकल्प होते लेकिन फिटनेस समस्याओं के कारण इस तेज गेंदबाज को अतिरिक्त बोझ से बचाया जाना चाहिए।

भारत के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मैं मानता हूं कि कप्तानी के लिए जसप्रीत स्पष्ट विकल्प होते। लेकिन मैं नहीं चाहता कि जसप्रीत को कप्तान बनाया जाए। इससे आप एक गेंदबाज के तौर पर उन्हें गंवा सकते हैं। रोहित शर्मा के हाल ही में संन्यास लेने के बाद चयनकर्ताओं को एक नया टेस्ट कप्तान चुनना होगा। भारत को खेल के लंबे प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला शृंखला खेलनी है। यह दौरा 20 जून से शुरू होगा।

बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के सिडनी में खेले गए अंतिम टेस्ट मैच में चोटिल हो गए थे। उन्हें पीठ की इस चोट से उबरने में लगभग तीन महीने लगे। वह इस दौरान चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भी भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। इस 31 साल के गेंदबाज ने आईपीएल के दौरान वापसी करते हुए मौजूदा सत्र में अब तक आठ मैचों में 13 विकेट लिए हैं।

सुविचार

जैसे ही भय निकट आए,
आक्रमण करके उसका
नाश कर दो।

ट्वीट

भारत के प्रतिभाशाली एथलीट नीरज चोपड़ा ने 2025 दोहा डायमंड लीग में इतिहास रचते हुए पहली बार 90 मीटर की दूरी पार कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसके लिए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-भजनलाल शर्मा

माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा जगद्गुरु तुलसीपीठाधीश्वर स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज को ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाना आध्यात्मिक जगत के लिए गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी क्षण है।

-मदन राठौड़

कहानी

सुदर्शन

हार की जीत

माँ को अपने बेटे, साहूकार को अपने देनदार और किसान को अपने लहलहाते खेत देखकर जो आनंद आता है, वही आनंद बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर आता था। भगवत-भजन से जो समय बचता, वह घोड़े को अर्पण हो जाता। वह घोड़ा बड़ा सुंदर था, बड़ा बलवान। उसके जोड़ का घोड़ा सारे इलाक़े में न था। बाबा भारती उसे सुलतान कह कर पुकारते, अपने हाथ से खरहरा करते, ख़ुद दाना खिलाते और देख-देखकर प्रसन्न होते थे। ऐसे लगन, ऐसे प्यार, ऐसे स्नेह से कोई सच्चा प्रेमी अपने प्यारे को भी न चाहता होगा। उन्होंने अपना सब-कुछ छोड़ दिया था, रुपया, माल, असबाब, ज़मीन, यहाँ तक कि उन्हें नागरिक जीवन से भी घृणा थी। अब गाँव से बाहर एक छोटे-से मंदिर में रहते और भगवान का भजन करते थे; परंतु सुलतान से बिछुड़ने की वेदना उनके लिए असह्य थी। मैं इसके बिना नहीं रह सकूँगा, उन्हें ऐसी भ्रांति-सी हो गई थी। वे उसकी चाल पर लट्टू थे। कहते, ऐसे चलता है जैसे मोर घन-घटा को देखकर नाच रहा हो। गाँवों के लोग इस प्रेम को देखकर चकित थे, कभी-कभी कनखियों से इशारे भी करते थे, परंतु बाबा भारती को इसकी परवा न थी। जब तक संध्या-समय सुलतान पर चढ़कर आठ-दस मील का चक्कर न लगा लेते, उन्हें चैन न आता।

खड्गसिंह उस इलाक़े का प्रसिद्ध डाकू था। लोग उसका नाम सुनकर काँपते थे। होते-होते सुलतान की कीर्ति उसके कानों तक भी पहुँची। उसका हृदय उसे देखने के लिए अधीर हो उठा। वह एक दिन दोपहर के समय बाबा भारती के पास पहुँचा और नमस्कार करके बैठ गया।

बाबा भारती ने पूछा, खड्गसिंह, क्या हाल है? खड्गसिंह ने सिर झुकाकर उत्तर दिया, आपकी दया है। कहो, इधर कैसे आ गए?

सुलतान की चाह खींच लाई।

विचित्र जानवर है। देखोगे तो प्रसन्न हो जाओगे। मैंने भी बड़ी प्रशंसा सुनी है। उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी! कहते हैं देखने में भी बहुत सुंदर है। क्या कहना! जो उसे एक बार देख लेता है, उसके हृदय पर उसकी छवि अंकित हो जाती है। बहुत दिनों से अभिलाषा थी, आज उपस्थित हो सका हूँ। बाबा और खड्गसिंह दोनों अस्तबल में पहुँचे। बाबा ने घोड़ा दिखाया घमंड से, खड्गसिंह ने घोड़ा देखा आश्चर्य से। उसने सैकड़ों घोड़े देखे थे, परंतु ऐसा बाँका घोड़ा उसकी आँखों से कभी न गुज़रा था। सोचने लगा, भाग्य की बात है। ऐसा घोड़ा खड्गसिंह के पास होना चाहिए था। इस साधु को ऐसी चीज़ों से क्या लाभ? कुछ देर तक आश्चर्य से चुपचाप खड़ा रहा। इसके पश्चात हृदय में हलचल होने लगी। बालकों की-सी अधीरता से बोला, परंतु बाबाजी, इसकी चाल न देखी तो क्या?

बाबा जी भी मनुष्य ही थे। अपनी वस्तु की प्रशंसा दूसरे के मुख से सुनने के लिए उनका हृदय अधीर हो गया। घोड़े को खोलकर बाहर लाए और उसकी पीठ पर हाथ फेरने लगे। एकाएक उचककर सवार हो गए। घोड़ा वायु-वेग से उड़ने लगा। उसकी चाल देखकर, उसकी गति देखकर खड्गसिंह के हृदय पर साँप लोट गया। वह डाकू था और जो वस्तु उसे पसंद आ जाए उस पर अपना अधिकार समझता था। उसके पास बाहुबल था और आदमी भी। जाते-जाते उसने कहा, बाबाजी, मैं यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा।

बाबा भारती डर गए। अब उन्हें रात को नींद न आती थी। सारी रात अस्तबल की रखवाली में कटने लगी। प्रतिक्षण खड्गसिंह का भय लगा रहता, परंतु कई मास बीत गए और वह न आया। यहाँ तक कि बाबा भारती कुछ लापरवाह हो गए और इस भय को स्वप्न के भय की नाई मिथ्या समझने लगे।

संध्या का समय था। बाबा भारती सुलतान की पीठ पर सवार होकर घूमने जा रहे थे। इस समय उनकी आँखों में चमक थी, मुख पर प्रसन्नता। कभी घोड़े के शरीर को देखते, कभी उसके रंग को, और मन में फूले न समाते थे।

सहसा एक ओर से आवाज़ आई, ओ बाबा, इस कंगले की सुनते जाना। आवाज़ में करुणा थी। बाबा ने घोड़े को रोक लिया। देखा, एक अपाहिज वृक्ष की छाया में पड़ा कराह रहा है। बोले, क्यों तुम्हें क्या कष्ट है? अपाहिज ने हाथ जोड़कर कहा, बाबा, मैं दुखियारा हूँ। मुझ पर दया करो। रामाँवाला यहाँ से तीन मील है, मुझे वहाँ जाना है। घोड़े पर चढ़ा लो, परमात्मा भला करेगा। वहाँ तुम्हारा कौन है? दुर्गादत्त वैद्य का नाम आपने सुना होगा। मैं उनका सौतेला भाई हूँ।

बाबा भारती ने घोड़े से उतरकर अपाहिज को घोड़े पर सवार किया और स्वयं उसकी लगाम पकड़कर धीरे-धीरे चलने लगे। सहसा उन्हें एक झटका-सा लगा और लगाम हाथ से छूट गई। उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा, जब उन्होंने देखा कि अपाहिज घोड़े की पीठ पर तनकर बैठा और घोड़े को दौड़ाए लिए जा रहा है। उनके मुख से भय, विस्मय और निराशा से मिली हुई चीख़ निकल गई। वह अपाहिज डाकू खड्गसिंह था।

बाबा भारती कुछ देर तक चुप रहे और कुछ समय पश्चात कुछ निश्चय करके पूरे बल से चिल्लाकर बोले, ज़रा ठहर जाओ। खड्गसिंह ने यह आवाज़ सुनकर घोड़ा रोक लिया और उसकी गरदन पर प्यार से हाथ फेरते हुए कहा, बाबाजी, यह घोड़ा अब न दूँगा। परंतु एक बात सुनते जाओ। खड्गसिंह ठहर गया। बाबा भारती ने निकट जाकर उसकी ओर ऐसी आँखों से देखा जैसे बकरा क़साई की ओर देखता है और कहा, यह घोड़ा तुम्हारा हो चुका है। मैं तुमसे इसे वापस करने के लिए न कहूँगा। परंतु खड्गसिंह, केवल एक प्रार्थना करता हूँ। इसे अस्वीकार न करना, नहीं तो मेरा दिल टूट जाएगा। बाबाजी, आज्ञा कीजिए। मैं आपका दास हूँ, केवल यह घोड़ा न दूँगा। अब घोड़े का नाम न लो। मैं तुमसे इस विषय में कुछ न कहूँगा। मेरी प्रार्थना केवल यह है कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना।

खड्गसिंह का मुँह आश्चर्य से खुला रह गया। उसका विचार था कि उसे घोड़े को लेकर यहाँ से भागना पड़ेगा, परंतु बाबा भारती ने स्वयं उसे कहा कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना। इससे क्या प्रयोजन सिद्ध हो सकता है? खड्गसिंह ने बहुत सोचा, बहुत सिर मारा, परंतु कुछ समझ न सका। हारकर उसने अपनी आँखें बाबा भारती के मुख पर गड़ा दीं और पूछा, बाबाजी, इसमें आपको क्या डर है? सुनकर बाबा भारती ने उत्तर दिया, लोगों को यदि इस घटना का पता लग गया तो वो किसी ग़रीब पर विश्वास न करेंगे।

और यह कहते-कहते उन्होंने सुलतान की ओर से इस तरह मुँह मोड़ लिया जैसे उनका उससे कभी कोई संबंध ही न रहा हो। बाबा भारती चले गए। परंतु उनके शब्द खड्गसिंह के कानों में उसी प्रकार गूँज रहे थे। सोचता था, कैसे ऊँचे विचार हैं, कैसा पवित्र भाव है! उन्हें इस घोड़े से प्रेम था, इसे देखकर उनका मुख फूल की नाई खिल जाता था। कहते थे, इसके बिना मैं रह न सकूँगा। इसकी रखवाली में वे कई रात सोए नहीं। भजन-भक्ति न कर रखवाली करते रहे। परंतु आज उनके मुख पर दुःख की रेखा तक दिखाई न पड़ती थी। उन्हें केवल यह ख़याल था कि कहीं लोग ग़रीबों पर विश्वास करना न छोड़ दें। उन्होंने अपनी निज की हानि को मनुषयत्व की हानि पर न्योछावर कर दिया। ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं देवता है।

रात्रि के अंधकार में खड्गसिंह बाबा भारती के मंदिर पहुँचा। चारों ओर सन्नाटा था। आकाश पर तारे टिमटिमा रहे थे। थोड़ी दूर पर गाँवों के कुत्ते भौंक रहे थे। मंदिर के अंदर कोई शब्द सुनाई न देता था। खड्गसिंह सुलतान की बाग पकड़े हुए था। वह धीरे-धीरे अस्तबल के फाटक पर पहुँचा। फाटक किसी वियोगी की आँखों की तरह चौपट खुला था। किसी समय वहाँ बाबा भारती स्वयं लाठी लेकर पहरा देते थे, परंतु आज उन्हें किसी चोरी, किसी डाके का भय न था। हानि ने उन्हें हानि की तरफ़ से बे-परवाह कर दिया था। खड्गसिंह ने आगे बढ़कर सुलतान को उसके स्थान पर बाँध दिया और बाहर निकलकर सावधानी से फाटक बंद कर दिया। इस समय उसकी आँखों में नेकी के आँसू थे।

अंधकार में रात्रि ने तीसरा पहर समाप्त किया, और चौथा पहर आरंभ होते ही बाबा भारती ने अपनी कुटिया से बाहर निकल ठंडे जल से स्नान किया। उसके पश्चात, इस प्रकार जैसे कोई स्वप्न में चल रहा हो, उनके पाँव अस्तबल की ओर मुड़े। परंतु फाटक पर पहुँचकर उनको अपनी भूल प्रतीत हुई। साथ ही घोर निराशा ने पाँवों को मन-मन-भर का भारी बना दिया। वे वहीं रुक गए।

घोड़े ने स्वाभाविक मेघा से अपने स्वामी के पाँवों की चाप को पहचान लिया और ज़ोर से हिनहिनाया। बाबा भारती दौड़ते हुए अंदर घुसे, और अपने घोड़े के गले से लिपटकर इस प्रकार रोने लगे, जैसे बिछुड़ा हुआ पिता चिरकाल के पश्चात पुत्र से मिलकर रोता है। बार-बार उसकी पीठ पर हाथ फेरते, बार-बार उसके मुँह पर थपकियाँ देते और कहते थे अब कोई ग़रीबों की सहायता से मुँह न मोड़ेगा। थोड़ी देर के बाद जब वह अस्तबल से बाहर निकले, तो उनकी आँखों से आँसू बह रहे थे। ये आँसू उसी भूमि पर ठीक उसी जगह गिर रहे थे, जहाँ बाहर निकलने के बाद खड्गसिंह खड़ा रोया था। दोनों के आँसुओं का उसी भूमि की मिट्टी पर परस्पर मिलाप हो गया।

– 'हिन्दी' से आभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

प्याऊ

अपने काम के सिलसिले में प्रेस के लिए रवाना हुआ हूँ। देखता हूँ कि रास्ते में एक प्याऊ का बड़ा फ्लेक्स लगा है। आजकल पानी ठंडा रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले बीस लीटर वाले तीन कंटेनर चेन से बंधे हैं। ग्लास भी चेन से बंधे हुए रखे हैं। प्याऊ के लिए जितना स्थान घेरा गया है, मुश्किल से उसके बीस प्रतिशत भाग में यह तीनों कंटेनर हैं। शेष अस्सी प्रतिशत का वर्णन करूँ तो कंटेनरों के दोनों ओर एक राजनीतिक पार्टी के हाईकमान के कट आउट लगे हैं। कंटेनर के ऊपर की ओर फ्लेक्स से तोरण बनाया गया है। उस पर राजनीतिक पार्टी का नाम लिखा है और स्थानीय इकाई के सदस्यों के फोटो लगे हैं। यहाँ तक कि कंटेनर के पीछे वाले हिस्से में भी इस राजनीतिक पार्टी के एक दिवंगत नेता का बड़ा-सा फोटो लगा दिया गया है।

मन कुछ कसैला-सा हो गया। यह कैसी व्यवस्था है जहाँ तिल को ताड़ बनाकर और मुट्ठी भर काम को पहाड़ बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। सोचते-सोचते प्रेस के निकट पहुँच चुका हूँ।

यहाँ सड़क के बीच बने एक छोटे से प्राचीन मंदिर से मुड़कर आगे जाना है। देखता हूँ कि यहाँ भी सामने की ओर बने देवी के मंदिर के सामने एक प्याऊ लगी है। तथापि दृश्य यहाँ कुछ अलग है। काले रंग के तीन बड़े-बड़े मटके। हरेक की क्षमता लगभग सौ लीटर है। ग्लास यहाँ भी हैं। ऊपर की ओर एक छोटा-सा फ्लेक्स भी है। इस फ्लेक्स पर जिनके स्मरणार्थ प्याऊ शुरू की गई है, उनका नाम लिखा है। फोटो के स्थान पर मंदिर में विराजित देवी का फोटो छपा है।

मुझे अपना ननिहाल याद आ गया। ग्रीष्मावकाश में हम राजस्थान में अपनी ननिहाल जाया करते थे। मैं देखता था कि गाँव में सार्वजनिक स्थानों पर, गाँव से आसपास के गाँवो या ढाणी (बस्ती) के लिए जानेवाले रास्तों पर, टीबों (रेत के टीले) के पास बड़े-बड़े मटकों से प्याऊ लगा कर प्राय: बुज़ुर्ग महिलाएँ बैठी होती थीं। समाज विज्ञान और मनोविज्ञान की दृष्टि से देखें तो वृद्धों का समय बीत सके, इसकी सार्थक सामाजिक व्यवस्था लोक ने कर रखी थी। प्याऊ के आसपास का वातावरण ठंडा और सुखद होता था।

आते-जाते पथिक प्याऊ के पास ही बैठकर कुछ सुस्ता भी लेते। उन दिनों रामझरे से पानी पिलाया जाता था। ये रामझरे तांबे या पीतल से बने होते थे।

विज्ञान कहता है कि तांबे के पात्र में रखा पानी शरीर के लिए गुणकारी होता है। कॉपर के एंटीबैक्टीरियल तत्व शरीर को लाभ पहुँचाते हैं। तांबे के पात्र में रखा जल ग्रहण करने से शरीर की ऊर्जा में वृद्धि होती है। यह जल पाचनशक्ति को बेहतर करता है। कहते हैं कि इस जल से मानसिक शांति भी मिलती है। बचपन में मानसिक शांति-अशांति का तो पता नहीं था पर तपते रेगिस्तान में तांबे के रामझरे से झरने वाले जल के स्वाद एवं तृप्ति के आगे, समुद्र-मंथन के बाद देवताओं द्वारा किया गया अमृतपान भी फीका था।

हाँ, उन दिनों प्याऊ का कोई फ्लेक्स नहीं बनता था। प्यासे को पानी पिलाना न प्रचार था ना दिखावा। पानी पिलाना कर्म था, पानी पिलाना धर्म था। सोचता हूँ कि कहाँ आ पहुँचे हैं हम? यह कैसी प्रदर्शनप्रियता है? जहाँ छाछ भी नहीं बेची जाती थी, वहां पानी पिलाना भी टीआरपी टूल हो चला है।

भारतीय दर्शन कहता है-

अमृतम सर्व भूतानाम,
जलम सर्वस्य जीवनम।
यस्मान न सानुप्राप्तम,
तस्मान दानम वरं परम।

अर्थात सभी प्राणियों के लिए जल अमृत के समान है, जल सभी का जीवन है। जिसकी प्राप्ति नहीं होती (बनाया नहीं जा सकता), उसका दान परम श्रेष्ठ होता है।

तब और अब के जीवन दर्शन का अंतर कभी 'प्याऊ' शीर्षक की एक कविता में उतरा था-

खारा पानी था उनके पास,
मीठे पानी का सोता रहा
तुम्हारे पास,
तब भी,
उनके खड़े होते रहे महल-चौबारे,
और तुम, उसी कुटिया के सहारे..,
सुनो..!
बोतलबंद पानी बेचना
उनकी प्रवृत्ति रही,
प्याऊ लगना मेरी प्रकृति रही,
जीवन के आयामों का
अनुसंधान, अपना-अपना...
जीवन के अर्थ पर
संधान, अपना-अपना...!

जीवन हमारा है। अपने जीवन के अर्थ का संधान हमें स्वयं ही करना होगा। तथापि मनुष्य होने के नाते वांछित है कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे प्यास, आकंठ तृप्त हो सके। शेष निर्णय अपना-अपना।

मनहूस व्यक्ति

विजय नगर में गंगू नाम का व्यक्ति रहता था उसके बारे में कहा जाता था की वह बड़ा ही मनहूस है और जो सुबह-सुबह उसकी शक्ल देख ले उसे खाना भी नसीब नहीं होता। धीरे-धीरे यह बात पूरे विजय नगर में फ़ैल गई और महाराज कृष्ण-देव राय को भी इसके बारे में पता चला। उन्होंने सोचा की उनके राज्य में इस तरह के मनहूस व्यक्ति का रहना उचित नहीं है किन्तु राजा बहुत न्याय प्रिय थे उन्होंने सोचा कि पहले वो यह देखना कहते हैं की इस बात में कितनी सच्चाई है। राजा ने अपने सेनापति को आदेश दिया कि गंगू को उनके सामने लाया जाए। सैनिकों ने गंगू को महाराज कृष्णदेव राय के समक्ष पेश किया। महाराज कृष्णदेव राय जिस कमरे में सोते थे उसी में गंगू के लिए भी विस्तार लगवाया और सुबह जब राजा सो कर उठे तो उन्होंने सबसे पहले गंगू का चेहरा देखा। कुछ देर बाद अचानक कार्य आ जाने के कारण राजा को राज महल से बाहर जाना पड़ा और उस दिन वो इतने व्यस्त रहे की उन्हें खाना भी नसीब नहीं हुआ। राजा कृष्णदेव राय को यकीन हो गया कि यह सब गंगू का चेहरा देखने के कारण हुआ है। राजा ने सोचा जब इस व्यक्ति के कारण मुझे भोजन नसीब नहीं हुआ तो शहर के दूसरे लोगों के सांथ क्या होता होगा। गुस्से में राजा कृष्णदेव राय ने गंगू को फांसी पर टांगने का आदेश दिया। यह बात पूरे राज्य में फ़ैल गई कि कल गंगू को फांसी दी जायगी जब यह बात तेनालीराम को पता चली तो वे सारा माजरा समझ गए और तत्काल गंगू के पास पहुंचे। तेनालीराम को देखकर गंगू रोने लगा और तेनालीराम को पूरी बात बतलाई। तेनालीराम ने गंगू को सांत्वना देते हुए उसके कहा की जैसा वो कहें गंगू को वैसा ही करना होगा। गंगू भी तेनालीराम की बात समझ गया। दूसरे दिन जब गंगू को फांसी दी जानी थी तभी गंगू से उसकी अंतिम इच्छा पूछी गई। गंगू बोला – मुझे महाराज से मिलकर कुछ बतलाना है, यही मेरी अंतिम इच्छा है। सैनिकों ने महाराज कृष्णदेव राय से गंगू की अंतिम इच्छा बतलाई। महाराज कृष्णदेव राय गंगू की अंतिम इच्छा पूर्ती के लिए उसके पास गए और बोले – बतलाओ गंगू तुम्हे क्या बतलाना है। गंगू बोला- महाराज ! इस राज्य में एक व्यक्ति मुझसे भी ज्यादा मनहूस है। पहले दण्ड उसे मिलना चाहिए फिर मुझे। महाराज कृष्णदेवराय राय ने बड़े आश्चर्य से गंगू से पूछा – गंगू! बतलाओं वह मनहूस व्यक्ति कोन है। गंगू बोला- महाराज ! वह मनहूस व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि इस राज्य का राजा अर्थात आप हैं। यह सुनकर महाराज कृष्णदेव राय अत्यधिक क्रोधित हुए और बोले – जानते हो गंगू तुम क्या बोल रहे हो। इसके बदले तुम्हें दण्ड भी मिल सकता है। गंगू बोला- महाराज ! मृत्युदंड से बड़ा कोई दण्ड हो सकता है क्या ? यह तो आप मुझे दे ही चुके हैं। कृपया आप मेरी विनती सुन लें, इसके बाद आप जो भी दण्ड देंगें वह मुझे सहर्ष स्वीकार होगा। यह सुनकर महाराज का क्रोध कुछ शांत हुआ और बोले- तुम्हें जो कहना है कहो। गंगू बोला- महाराज !

कल सुबह जब आपने मेरा चेहरा देखा तब आपको दिन भर भोजन नहीं मिला तब आपने मुझे मनहूस समझकर मृत्युदंड दे दिया।ठीक उसी समय कल सुबह मैंने भी आपका चेहरा देखा था और मुझे फांसी की सजा मिल गई मतलब आप मुझसे भी ज्यादा मनहूस हुए। महाराज कृष्णदेवराय को पूरी बात समझ आ गई और उन्हें अपने निर्णय पर पछतावा हो रहा था उन्होंने तत्काल गंगू की फांसी की सजा माफ़ कर दी गंगू को अपने पास बुलाकर पूछा- गंगू! यह विचार तुम्हारे मन मैं किसे आया। गंगू बोला- महाराज ! मुझे तेनालीराम ने यह सब करने की सलाह दी थी। महाराज कृष्णदेव राय ने गंगू को बहुत सा धन देकर विदा किया और तेनालीराम को बुलाकर उसका धन्यवाद दिया कि उनके कारण एक निर्दोष की जान बच गई और महाराज के हाँथ से एक बहुत बड़ा पाप होने से बच गया।

बोध कथा

हाथी और गौरैया

किसी पेड़ पर एक गौरैया अपने पति के साथ रहती थी। वह अपने घोंसले में अंडों से चूजों के निकलने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी। एक दिन की बात है गौरैया अपने अंडों को से रही थी और उसका पति भी रोज की तरह खाने के इन्तेजाम के लिए बाहर गया हुआ था।

तभी वहां एक गुस्सैल हाथी आया और आस-पास के पेड़ पौधों को रौंदते हुए तोड़-फोड़ करने लगा। उसी तोड़ फोड़ के दौरान वह गौरैया के पेड़ तक भी पहुंचा और उसने पेड़ को गिराने के लिए उसे जोर-जोर से हिलाया, पेड़ को काफी मजबूत था इसलिए हाथी पेड़ को तो नहीं तोड़ पाया और वहां से चला गया, लेकिन उसके हिलाने से गौरैया का घोसला टूटकर नीचे आ गिरा और उसके सारे अंडे फूट गए। गौरैया बहुत दुखी हुयी और जोर जोर से रोने लगी, तभी उसका पति भी वापस आ गया, वह भी बेचारा बहुत दुखी हुआ और उन्होंने हाथी से बदला लेने और उसे सबक सिखाने का फैसला किया। वे अपने एक मित्र; जो कि एक कठफोड़वा था; के पास पहुंचे और उसे सारी बात बताई। वे हाथी से बदला लेने के लिए कठफोड़वा की मदद चाहते थे। उस कठफोड़वा के दो अन्य दोस्त थे; एक मधुमक्खी और एक मेंढक। उन्होंने मिलकर हाथी से बदला लेने की योजना बनाई। तय योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने काम शुरू किया। उसने हाथी के कान में गाना गुनगुनाना शुरू किया। हाथी को उस संगीत में मजा आने और जब हाथी संगीत में डूबा हुआ था, तो कठफोड़वा ने अगले चरण पर काम करना शुरू कर दिया। उसने हाथी की दोनों आँखें फोड़ दी। हाथी दर्द से कराहने लगा। उसके बाद मेंढक अपनी पलटन के साथ एक दलदल के पास गया और सब मिलकर टर्राने लगे। मेंढकों का टर्राना सुनकर हाथी को लगा कि पास में ही कोई तालाब है। वह उस आवाज की दिशा में गया और दलदल में फंस गया। इस तरह से हाथी धीरे-धीरे दलदल में फंस गया और मर गया।

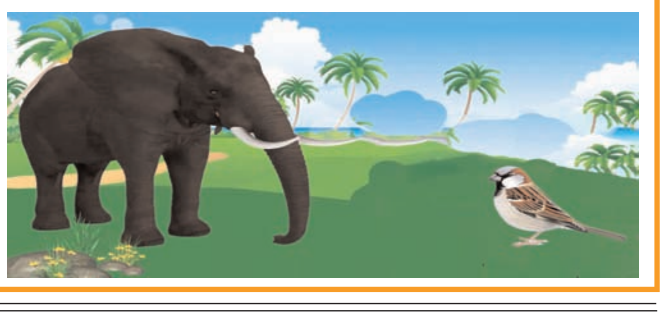

वीर गाथा

लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय : आखिरी सांस में भी उड़ा दिया दुश्मन का बंकर, दिखाया अदम्य साहस

लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय का जन्म 25 जून, 1975 को उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के रुधा गांव में हुआ था। माता मोहिनी देवी और पिता गोपीचंद पांडेय के वीर पुत्र मनोज ने सैनिक स्कूल, लखनऊ से शिक्षा प्राप्त की थी। वे अपनी मां से महापुरुषों और योद्धाओं की कथाएं सुनते हुए बड़े हुए थे। मनोज स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के लिए चुन लिए गए थे। इसके बाद उन्हें 11 गोरखा राइफल्स रेजिमेंट में नियुक्त किया गया। वर्ष 1999 में जब कारगिल युद्ध छिड़ा तो मनोज ने वीरता का ऐसा प्रदर्शन किया कि तत्कालीन थल सेना प्रमुख जनरल वीपी मलिक ने अपनी किताब में भी उनकी खूब तारीफ की। मनोज और साथी जवानों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे खालूबार क्षेत्र में दुश्मन के ठिकानों को बर्बाद करें। वहां पाकिस्तान ने चार बंकर बना रखे थे। उधर से भारी गोलाबारी हो रही थी। लक्ष्य बहुत मुश्किल था, लेकिन हमारे जवानों का हौसला उससे कहीं ज्यादा बड़ा था। दो-तीन जुलाई की रात को मनोज और उनके साथी जवानों ने चढ़ाई शुरू की थी। वहीं, पाकिस्तान की ओर से लगातार हमले हो रहे थे। आखिरकार हमारे जवान उन बंकरों के काफी नजदीक पहुंच गए।

मनोज ने जवानों को हमले का आदेश दिया। इससे पाकिस्तान के दो फौजी ढेर हो गए। इसके बाद दुश्मन ने गोलियों की बौछार कर दी। मनोज ने अपने जवानों के लिए रास्ता बना लिया और हमला जारी रखा। इससे दूसरे बंकर के पास दुश्मन के दो फौजी ढेर हो गए। अब तीसरे बंकर की बारी थी।

इस दौरान मनोज गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि उन्होंने मुकाबला जारी रखा और एक पाकिस्तानी फौजी को धराशायी कर दिया। वे चौथे बंकर को नष्ट करने जा रहे थे कि दुश्मन का एक गोला आकर गिरा। मनोज ने आखिरी सांस में ग्रेनेड फेंका और दुश्मन का चौथा बंकर उड़ा दिया। लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय ने रणभूमि में जिस तरह अदम्य साहस दिखाया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फोटो शूट

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान असम के नागांव जिले के सामगुरी में अपने दौरे के दौरान एक लखपति दीदी के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए।

उत्तर प्रदेश के जंगलों में शुरू हो चुकी है विस्टाडोम ट्रेन सेवा

उलखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रदेश में इको टूरिज्म और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य से दुधवा बाघ अभयारण्य तक रेल कनेक्टिविटी प्रदान करने वाली पर्यटक ट्रेन में विस्टाडोम कोच का संचालन शुरू कर दिया है। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई। बयान में दावा किया गया है कि उप्र देश का पहला ऐसा प्रदेश बन गया है, जहां पर्यटकों के लिए जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव उपलब्ध कराने के लिए विस्टाडोम कोच की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। यह सेवा पर्यटकों के लिए 12 महीने उपलब्ध रहेगी। फिलहाल यह सेवा वर्तमान में शनिवार और रविवार ही पर्यटकों को उपलब्ध करायी जा रही है, लेकिन आने वाले दिनों में यह सेवा सभी दिन उपलब्ध होगी।

इससे जहां एक ओर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं रोजगार भी उपलब्ध होंगे। पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के वन क्षेत्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, कतर्नियाघाट और किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य को एकीकृत करते हुए पर्यटकों के लिए सुलभ और रोमांचक अनुभव देने के लिए विस्टाडोम कोच का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा पर्यटकों को वर्ष भर नेचर ट्रेल और जंगल सफारी का अद्वितीय अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। यह सुविधा पहले चरण में प्रत्येक शनिवार और रविवार को उपलब्ध कराई जा रही है। इस सेवा के सकारात्मक परिणामों के पश्चात इसे पूरे सप्ताह के लिए विस्तारित करने की योजना है। विस्टाडोम कोच के माध्यम से पर्यटक 107 किलोमीटर लंबे जंगल के भीतर सफर करते हुए प्राकृतिक दृश्यावली, जैव विविधता और वन्यजीवों का नजदीक से अनुभव ले सकेंगे। यह सफर चार घंटे 25 मिनट का है। वहीं ट्रेन सेवा काफी किफायती भी है। इस सेवा के लिए पर्यटकों से केवल 275 रुपए प्रति पर्यटक शुल्क लिया जा रहा है। यह शुल्क कतर्नियाघाट से दुधवा नेशनल पार्क तक का है। निदेशक ने बताया कि बार्ड द्वारा पर्यटकों को राजधानी लखनऊ से कतर्नियाघाट तक ले जाने का पैकेज तैयार किया जा रहा है। इस पैकेज में विभाग की ओर से प्रति पर्यटक सब्सिडी भी दी जाएगी, जिस पर विचार किया जा रहा है। पर्यटन निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि 107 किलोमीटर लंबी जैव विविधता से भरपूर यात्रा का अनुभव देने वाली ट्रेन बिछिया स्टेशन से सुबह 11:45 बजे चलकर विभिन्न स्टेशनों से गुजरते हुए शाम 4:10 बजे मैलानी स्टेशन पहुंचती है। वहीं वापसी ट्रेन सुबह 6:05 बजे मैलानी से रवाना होकर 10:30 बजे बिछिया पहुंचती है।

'अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता जारी रखेगा ईरान'

तेहरान/एपी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि उनका देश परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगा, लेकिन अमेरिकी धमकियों के कारण अपने अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा।

राष्ट्रपति पेजेशकियान ने शनिवार को नौसेना अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, हम बातचीत कर रहे हैं और हम बातचीत करेंगे, हम युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन हमें किसी खतरे का डर नहीं है।

राष्ट्रपति के इस संबोधन को सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित किया गया। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि अगर वे हमें धमकाएंगे, तो हम अपना मानवाधिकार और वाजिब अधिकार छोड़ देंगे। हम पीछे नहीं हटेंगे, हम सभी क्षेत्रों में सम्मानजनक सैन्य, वैज्ञानिक, परमाणु क्षमता आसानी से नहीं खोएंगे।

वार्ता ''विशेषज्ञ'' स्तर पर पहुंच गई है, जिसका अर्थ है कि दोनों पक्ष संभावित समझौते के विवरण पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, एक बड़ा मुद्दा ईरान द्वारा यूरेनियम संवर्धन करना है, जिस पर तेहरान जोर देता है कि उसे ऐसा करने की अनुमति दी जानी चाहिए और अमेरिका लगातार कह रहा है कि इस्लामिक गणराज्य को ऐसा करना छोड़ देना चाहिए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार धमकी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो वे ईरान के कार्यक्रम को निशाना बनाकर हवाई हमले करेंगे। ईरानी अधिकारी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वे अपने यूरेनियम भंडार को समृद्ध करके परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

इससे पहले, शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि वार्ता के दौरान ईरान को एक प्रस्ताव मिला है, हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया।

इस सप्ताह क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान ट्रंप ने लगभग हर कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया कि ईरान को परमाणु बम हासिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

गंगा में रासायनिक संदूषण से लुप्तप्राय डॉल्फिन को खतराः अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। गंगा में मिले विषैले रसायनों का खतरनाक स्तर लुप्तप्राय 'गंगेटिक डॉल्फिन' के स्वास्थ्य और अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। एक वैज्ञानिक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। 'हेलियन' पत्रिका में प्रकाशित भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि मीठे पानी के ये जलीय जीव अपने भोजन के माध्यम से रसायनों के खतरनाक मिश्रण के संपर्क में आ रहे हैं। शोधकर्ताओं ने 'गंगेटिक डॉल्फिन' द्वारा खाए जाने वाली मछली की प्रजातियों में 39 प्रकार के अंतःस्रावी-विघटनकारी रसायनों का विश्लेषण किया।

अध्ययन के मुताबिक, निष्कर्षों से पता चला कि डॉल्फिन द्वारा शिकार की जाने वाली मछलियों में औद्योगिक प्रदूषक 'डाइ (टू-एथिलहेक्सिल) फथलेट' (डीईएचपी) और 'डाइ-एन-ब्यूटाइल फथलेट' (डीएनबीपी) जैसे महत्वपूर्ण जैव संचयन होते हैं। अध्ययन में बताया गया कि इन मछलियों में डीडीटी और लिंडेन (-एचसीएच) जैसे प्रतिबंधित कीटनाशकों के अवशेष भी मिले हैं, जो गंगा बेसिन में पर्यावरण नियमों को खराब तरीके से लागू किए जाने की ओर इशारा करते हैं। गंगा में रहने वाली डॉल्फिन की आबादी में 1957 के बाद से 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और भारत के राष्ट्रीय जलीय जानवर के रूप में नामित होने के बावजूद उनकी संख्या लगभग एक चौथाई कम हो गई है। दुनियाभर में नदियों में पाई जाने वाली डॉल्फिन की केवल पांच प्रजातियां बची हैं और ये सभी खतरे में हैं। अध्ययन में चेतावनी दी गई कि भारत में यांग्त्जी नदी त्रासदी जैसी घटना हो सकती है, जहां अनियंत्रित मानवीय गतिविधियों के कारण एक समान प्रजाति विलुप्त हो गई थी। अध्ययन में प्रदूषण के लिए कई स्रोतों को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिसमें खेती में इस्तेमाल किए जाने वाले कीटनाश्क व खरपतवार, कपड़ा क्षेत्र से अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट, वाहनों से उत्सर्जन, खराब ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ता पर्यटन शामिल है।

अंतःस्रावी-विघटनकारी रसायनों के प्रभाव विशेष रूप से चिंताजनक हैं क्योंकि 'गंगेटिक डॉल्फिन' के अंदर हार्मोनल प्रणालियों को प्रभावित कर सकते हैं, उनमें प्रजनन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र में लंबे समय तक बने रह सकते हैं। 'गंगेटिक डॉल्फिन' को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची 'आई' के तहत संरक्षित किया गया है लेकिन अध्ययन में इस बात पर जोर दिया गया कि अगर इस प्रजाति को जीवित रखना है तो कागज पर संरक्षण को कार्रवाई योग्य नीति व प्रदूषण नियंत्रण में बदलना होगा। पिछले वर्ष का यह शोध, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा पारिस्थितिक डेटा और संरक्षण संबंधी अंतर्दृष्टि तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए एक नए पोर्टल पर जारी किए गए कई प्रमुख दस्तावेजों में से एक है।

विरोध

रवींद्रनाथ टैगोर की पोशाक पहने एक व्यक्ति शनिवार को कोलकाता में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद बेरोजगार हुए स्कूली शिक्षकों के विरोध में शामिल होता हुए ।

'रोमियो एस3' सिर्फ एक थ्रिलर नहीं एक मिशन है : ठाकुर अनूप सिंह

जयपुर। टॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में धमाल मचाने के बाद एक्टर अनूप सिंह ने अपनी बॉलीवुड की जर्नी की शुरुआत रोमियो एस3 के साथ की है। वह इस मूवी में जांबाज पुलिस ऑफिसर का रोल करते नजर आएंगे। उनके साथ एक्ट्रेस पलक तिवारी की केमिस्ट्री दर्शकों को देखने को मिलेगी। अनूप ने इसके पहले टीवी टॉलीवुड इंडस्ट्री में निगेटिव किरदार निभा कर दर्शकों में अपनी एक अलग ही छाप छोड़ी है। इस फिल्म के नाम के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि बिल्कुल रोमियो एस3 का टाइटल जानबूझकर थोड़ा हटकर रखा गया है ताकि ऑडियंस को कनेक्शन और क्यूरियोसिटी दोनों मिलें। यहां रोमियो सिर्फ लविंग कैरेक्टर नहीं, एक कोडनेम है, एक अंडरकवर ऑपरेशन का। वहीं एस3 का मतलब है डीएसपी संग्राम सिंह शेखावत, जो मेरा किरदार है।

दो अलग-अलग शेड्स निभाने का दिया मौका: अनूप ने बताया कि इस फिल्म ने मुझे दो अलग-अलग शेड्स निभाने का मौका दिया। एक तरफ है रोमांटिक, फ्रेंडली, लविंग रोमियो और दूसरी तरफ है स्ट्रॉन्ग, निडर, कड़क डीएसपी संग्राम सिंह। दोनों ही किरदार दर्शकों को अलग-अलग अनुभव देंगे और मुझे बतौर एक्टर यह रोल बेहद चैलेंजिंग और संतोषजनक लगा।

अनूप ने कहा कि ये मेरे लिए गर्व की बात है। हमारे देश में कई अभिनेता जैसे शत्रुघ्न सिन्हा, शाहरुख खान भी निगेटिव रोल से शुरू कर हीरो बने। असल बात है डेडिकेशन, मेहनत और ईमानदारी। मुझे इस मुकाम तक आने में 10 साल लगे। अगर मैंने उस वक्त एक्टिंग की शुरुआत नहीं की होती, तो शायद आज मुझे रोमियो एस3 जैसा किरदार नहीं मिलता।

फिल्म '3 स्टार बहुरिया' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

फ़िल्म निर्माता और वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स म्यूजिक कंपनी के एमडी रत्नाकर कुमार की भोजपुरी फिल्म 3 स्टार बहुरिया की शूटिंग उत्तर प्रदेश के भदोही में शुरू हो गयी है। फ़िल्म '3 स्टार बहुरिया' में केंद्रीय भूमिका में माही श्रीवास्तव नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की टैगलाइन सास हवलदार और बहू थानेदार की नई कहानी...भी बहुत ही शानदार है। माही श्रीवास्तव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम से शूटिंग की जानकारी अपने फैंस के साथ साझा की है। जहाँ पर उन्होंने पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा है कि 'मुहूर्त 3 स्टार बहुरिया... थैंक्स टू प्रोड्यूसर रत्नाकर कुमार सर...' 3 स्टार बहुरिया की स्टार कास्ट में माही श्रीवास्तव, पुनम मोर्या, मनोज टाइगर, प्रकाश जैस, श्वेता वर्मा, संदीप कुमार यादव, महेश आचार्य, विजया सिंह, भानु पांडे, लालधारी सहित कई अन्य कलाकार हैं।

ग्लोबल स्टार अनुष्का सेन ने किया कान्स में डेब्यू

कान्स/एजेन्सी

ग्लोबल स्टार अनुष्का सेन ने कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपना डेब्यू कर एक नया कीर्तिमान रच दिया है। अनुष्का सेन अपनी पीढ़ी की सबसे प्रतिभाशाली और होनहार अभिनेत्रियों में से एक हैं।कम उम्र में अपनी अभिनय प्रतिभा से लोगों का दिल जीतने वाली अनुष्का ने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। ग्लोबल फैन फॉलोइंग और जबरदस्त क्रिएटिव एनर्जी के साथ उन्होंने अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर अपनी जर्नी शुरू की और देखते ही देखते भारत की सबसे लोकप्रिय ग्लोबल स्टार्स में शुमार हो गईं। 22 साल की उम्र में अनुष्का सेन ने प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपना डेब्यू कर एक नया कीर्तिमान रच दिया है। इतने कम उम्र में इस आइकॉनिक मंच पर कदम रखना उनकी ग्लोबल पहचान को और मजबूती देता है। रेड कार्पेट पर अनुष्का सेन वाइन कलर के काउचर गाउन में शाही अंदाज में नजर आ रही हैं। उनके इस लुक को खास बनाती हैं दो दिल छू लेने वाली भावनाएं, जो भारत और कोरिया के सांस्कृतिक मेल को खूबसूरती से दर्शाती हैं।

एक तस्वीर में अनुष्का सेन हाथ जोड़कर नमस्ते करती नजर आती हैं, जो भारतीय परंपरा, गर्मजोशी, विनम्रता और आभार का प्रतीक है। वहीं, दूसरी तस्वीर में वह कोरियाई पॉप कल्चर का फेमस 'हार्ट पोज' बनाते हुए दिखती हैं, जो स्नेह और पॉजिटिविटी का इजहार करता है। उनका ये अंदाज दर्शाता है कि वो न सिर्फ भारतीय जड़ों से जुड़ी हैं, बल्कि कोरियाई संस्कृति के रंग भी बखूबी अपना रही हैं, एक सच्ची ग्लोबल एंबेसडर की तरह।

इस वक्त अनुष्का सेन साउथ कोरियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में भी खूब धमाल मचा रही हैं। वह कोरियन फिल्म एशिया और उसकी स्पिन-ऑफ सीरीज क्रश में ओलंपिक शूटर किम ये-जी के साथ नजर आने वाली हैं।

जैकलीन फर्नांडीस ने कान्स फिल्म फेस्टिबल में बिखेरा जलवा

कान्स/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस ने प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में जलवा बिखेर दिया। इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 काफी चर्चा में है। इस मौके पर कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज अपना जलवा बिखेर रहे हैं। फ्रांस के रिवेरा शहर में चल रहे कांस फिल्म फेस्टिवल 2025 में जैकलीन फर्नांडिस ने अपना जलवा बिखेरा है। 78वें कान फिल्म फेस्टिवल के तीसरे दिन जैकलीन फर्नांडीज ने रेड सी फिल्म फाउंडेशन की वीमेन इन सिनेमा पहल के तहत आधिकारिक तौर पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने सफेद शर्ट, सिल्वर टच वाले पैंट और कमर तक फैले मेटैलिक चेन वाले खास लुक में एंट्री ली। बालों को स्लीक बन में बांधकर, मैचिंग इयररिंग्स और ब्लैक पंप्स के साथ जैकलीन का लुक काफी शानदार रहा।

जैकलीन को 'वीमेन इन सिनेमा' इनिशिएटिव के तहत दुनिया भर से चुनी गई छह खास महिलाओं में शामिल किया गया। यह पहल रेड सी फिल्म फेस्टिवल की ओर से शुरू की गई है।

इस सम्मान के साथ जैकलीन ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें भी शेयर कीं और लिखा, रेडसीफिल्म के साथ कान्स का पहला दिन. महिला कहानीकारों को बढ़ावा देने वाली पहल 'वुमेन इन सिनेमा' में सम्मानित होकर खुश हूं। गौरतलब है कि कान्स फेस्टिवल का उद्घाटन 13 मई को हुआ है। कान्स फिल्म फेस्टिबल 24 मई तक चलेगा।

लुप्तप्राय प्रजातियों को संरक्षित करने की जरूरत : रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के शौकीन रणदीप हुड्डा का कहना है कि यदि लुप्तप्राय प्रजातियों को संरक्षित नहीं किया गया, तो भविष्य में मनुष्य पर भी इसका असर पड़ेगा। रणदीप हुड्डा ने आज लुप्तप्राय प्रजाति दिवस के मौके पर टाइगर के साथ तस्वीर शेयर की और बताया कि प्रकृति में संतुलन के लिए इनका रहना बेहद जरूरी है। रणदीप हुड्डा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा,हमारी पृथ्वी, जिसे हम धरती माता कहते हैं, यहां संतुलित और संवेदनशील इको सिस्टम है। यहां एक प्रजाति के लुप्त होने से कई प्रभावित होंगे या इससे भी बदतर स्थिति आ जाएगी और अस्तित्व खत्म हो जाएगा। लुप्तप्राय प्रजाति दिवस पर आइए इस परस्पर निर्भरता की सुंदरता की सराहना करें और इसके प्रति सचेत रहें।

यदि लुप्तप्राय प्रजातियों को संरक्षित नहीं किया गया, तो भविष्य में मनुष्य पर भी इसका असर पड़ेगा। रणदीप ने लिखा,प्रकृति के साथ मेरा रिश्ता और प्रकृति की सुंदरता और उसमें रहने वाले जीवों को कैमरे में कैद करने का मेरा प्यार सालों पहले शुरू हुआ था। इन शानदार जीवों को करीब से देखना और उनकी तस्वीरों को लेने का अहसास हमेशा से शानदार और खास रहा है। मुझे हर बार यह महसूस होता है कि यदि मनुष्य सीख ले कि सह-अस्तित्व ही एकमात्र सत्य है, तो आगे कोई दिक्कत नहीं होगी।

अनिल कपूर ने बढ़ाया जवानों का जोश, 'भारत भूलता नहीं है, माफ भी नहीं करता'

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज बॉलीवुड स्टार अनिल कपूर ने भारत की एकता और मजबूती पर गर्व जताया है। उन्होंने कहा कि भले ही देश के अंदर अलग-अलग मतभेद हों, लेकिन जब बात सेना की होती है, तो पूरा देश एकजुट होकर उनके साथ खड़ा होता है। अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भारतीय सेना की बहादुरी के नाम एक पोस्ट शेयर किया और कहा कि भारत किसी भी खतरे का डटकर जवाब देता है। उन्होंने लिखा, ''जो करने की जरूरत थी, वही किया गया। ऐसा कौन-सा परिवार है, जिनके सदस्यों के बीच मतभेद नहीं होते, लेकिन जब बात देश की आती है, तो हम सब एक हैं। हमेशा से रहे हैं और हमेशा रहेंगे। अपनी सशस्त्र सेनाओं के प्रति आभारी हूं कि वे बहादुरी से डटकर मुकाबला करते हैं। भारत भूलता नहीं है। भारत माफ नहीं करता है। जय हिंद...जय हिंद की सेना!'' वहीं अन्य हस्तियां भी सेनाओं का हौसला बढ़ा रही हैं।

हाल ही में पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''भारत केवल एक देश नहीं है, यह एक भावना है, एक अहसास है जो लोगों को दिल से जोड़ता है। एकता का बंधन है जो जाति, धर्म, भाषा या पृष्ठभूमि से परे है। हम सभी पहले भारतीय हैं, और हमारी एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हम भारत के लोग अपनी सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। अगर कभी जरूरत पड़ी, तो हर भारतीय उनके साथ खड़ा होगा, न सिर्फ भावनात्मक रूप से, बल्कि वास्तविक कार्रवाई में भी। चाहे जो करना पड़े।''

उन्होंने कहा, ''आइए याद रखें: हमारी विविधता हमारी सुंदरता है, लेकिन हमारा राष्ट्र हमेशा पहले आता है। हमें कभी भी भारत को तोड़ने या उसका अपमान करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।

यह देश उन्हीं का है जो इसे प्यार और वफादारी से सम्मान देते हैं।'' उन्होंने अपने इस पोस्ट पर कैप्शन में लिखा, ''आइए एकजुट हों, एक राष्ट्र के रूप में एक साथ रहें। गर्वित भारतीय।''

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ हैं। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

दुर्लभ मोटापे की शिकार बच्ची की बैरिएट्रिक सर्जरी कर डाक्टरों ने बचाई जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक स्थित लाइफलाइन ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डॉक्टरों ने बांग्लादेश से आई पांच वर्षीय बच्ची की बैरिएट्रिक सर्जरी कर उसे नया जीवन दिया है। बच्ची एक दुर्लभ अनुवांशिक बीमारी (जिसमें मोटापा बहुत तेजी से बढ़ता है) जिसे फ्रेडर विली सिंड्रोम कहते हैं से लंबे समय से पीड़ित थी। लाइफ लाइन ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के उन्नत लेप्रोस्कोपिक और बैरिएट्रिक सर्जन एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ.अनिरुद्ध राजकुमार तथा अस्पताल के मुख्य सर्जन के एस राजकुमार तथा डाक्टरों की टीम ने मिलकर सर्जरी को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

डॉ. अनिरुद्ध राजकुमार ने बताया कि बच्ची का मोटापा इतना गंभीर था कि वह न तो ठीक से चल पाती थी और न ही सांस ले पाती थी। पांच वर्ष की कम आयु में ही बच्ची उच्च रक्तचाप, मधुमेह, फैटी लीवर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित थी।

उन्होंने बताया कि बच्ची का सावधानी पूर्वक मूल्यांकन के उपरांत हमारे डॉक्टरों की टीम ने दक्षिण भारत में संभवतः पहली बार उच्च जोखिम वाली बैरिएट्रिक सर्जरी करने का निर्णय लिया जिसमें हमें उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि केवल दो सप्ताह के भीतर ही बच्ची का वजन आठ किलोग्राम कम हो गया अब वह आसानी से अपनी दैनिक दिनचर्या का निष्पादन कर पा रही है। डॉ अनिरुद्ध राजकुमार ने बताया कि यह मामला सिर्फ शल्य चिकित्सा की उपलब्धि मात्र नहीं है बल्कि यह बचपन में मोटापे के बढ़ते संकट तथा युवा जीवन पर इसके विनाशकारी प्रभावों के प्रति चेतावनी है ऐसे मामलों में निरंतर एवं समग्र देखभाल की आवश्यकता बहुत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों के मोटापे को गंभीरता से लेना चाहिए यदि मोटापा बढ़ रहा है तो समय पर चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार लेना चाहिए जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि बच्चे स्वस्थ सक्रिय एवं खुशहाल जीवन जी सके।

सम्मान

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। चेन्नई में नेशनल यूथ डेवलपमेंट प्रोक्टेशन काउंसिल द्वारा टीनगर स्थित सर पीटी त्यागरायन कलैअरंगम सभागार में आयोजित एक समारोह में जैन समाज की गुणवतीं खांटेड (घुन) को इंस्पायरिंग अचीवर बेस्ट इन्फ्लूएंसर अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया।

जेबीएन वी-कनेक्ट महिला व्यापार समूह का 'ऑफिस दर्शन' कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो जेबीएन वी-कनेक्ट महिला व्यापार समूह ने अपने चौथे कार्यकाल में प्रथम ऑफिस दर्शन कार्यक्रम का आयोजन शंकरपुरम स्थित योग निकेतन आश्रम में किया, जिसका संचालन फेश योग प्रशिक्षक मीनाक्षी जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर जेएलडब्ल्यू की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ एवं समिति सदस्य सारिका जैन उपस्थित थीं। कार्यक्रम में मीनाक्षी जैन ने फेश योग के महत्त्व और इसके लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि नियमित फेश योगा के अभ्यास से उम्र बढ़ने के लक्षणों में कमी, चेहरे की त्वचा में कसाव, चमक और तनाव में राहत प्राप्त की जा सकती है। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को फेश योग का अभ्यास भी कराया। कार्यक्रम में न्यूट्रिशनिस्ट मोक्षा जैन ने भी सहभागिता की और एक संतुलित आहार योजना के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उपाय बताए।

कार्यक्रम का नेतृत्व रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया तथा रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने किया। नार्थ चैप्टर के लेडीज चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने भी शुभकामनाएं दी।

पैलेस ग्राउंड पर नौ दिवसीय श्रीराम कथा 9 जून से

गोड़वाड़ भवन में तैयारी बैठक आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में शहर में पहली बार, पद्मविभूषण एवं ज्ञानपीठ से सम्मानित श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु श्री रामभद्राचार्यजी द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन 9 जून से पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेज श्राइन सभागार में होने जा रहा है। यह कथा रोजाना दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगी। इस नौ दिवसीय श्रीराम कथा के आयोजन की तैयारियों के सिलसिले में समिति की ओर से रविवार को शाम 4 बजे से लालबाग रोड स्थित गोड़वाड़ भवन में बैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें कथा की तैयारियों एवं रूपरेखा के निर्धारण पर चर्चा होगी। इस बैठक में सभी रामभक्त सादर आमंत्रित हैं। इच्छुक रामभक्त इस आयोजन से जुड़ने के लिए मिथिलेश तिवारी से मोबाइल क्रमांक 98861 5880% या अजय पाण्डेय से मोबाइल क्रमांक 98861 94886 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

कुमारापार्क में चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका का लेखन कार्य विधिवत संपन्न

दीक्षा कल्याणक 1 जून को, प्रतिष्ठा महोत्सव 2 जून को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ के तत्वावधान में भवरीदेवी घेवरचंद सुराणा परिवार द्वारा स्वद्रव्य से निर्मित चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान जैन मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका का लेखन श्रद्धा, उल्लास एवं वैदिक-शास्त्रीय विधानों के साथ शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के संयोजक प्रकाश राठौड़ के नेतृत्व में अल्पेश गुरुजी द्वारा सकल संघ एवं सुराणा परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में मंत्रोच्चार, नवकल्याणक व शुभ संकल्पों सहित विधिपूर्वक संपन्न किया गया। इस प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका का लेखन कार्य आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी की निश्रा में हुआ। प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए संतों व जिन प्रतिमाओं का भव्य मंगल प्रवेश 22 मई को होगा, जिसमें कुंभ स्थापना, दीपक स्थापना, ज्वारारोपण जैसे मांगलिक अनुष्ठान सम्पन्न होंगे। प्रतिष्ठा विधि विधान 24 मई से सम्पूर्ण धार्मिक विधियों के साथ आरंभ होगा। दीक्षा कल्याणक एवं दीक्षा वरघोड़ा 1 जून को होगा। मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव में 2 जून को चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान की प्रभावना से युक्त प्रतिष्ठा सम्पन्न होगी। इस वर्ष आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी का चातुर्मास सुराणा संकुल, कुमारापार्क में ही संपन्न होगा।

साधना के साथ मनाया सामायिक दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्य हीराचंद्र म.सा का 35 वां आचार्य पद दिवस तीन-तीन सामायिक की साधना के संग सामायिक दिवस के रूप में स्वाध्याय भवन साहूकारपेट में शनिवार को मनाया गया। श्रदालुओं द्वारा गुरु हीरा चालीसा, आचार्य हीरा गुणाष्टक की सामूहिक स्तुति की गयी। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने आचार्य हीराचन्द्र की उन्हें स्वाध्यायी के रूप में सेवा देने की प्रेरणा रूपी उपकार मानते हुए गुणगाण किये। श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने वर्ष 1991 में आज की तिथि पर सूर्यनगरी जोधपुर में सरदार स्कूल के मैदान में आचार्य हीराचन्द्र के चादर महोत्सव पर अपनी उपस्थिति को अपने जीवन पल का एक स्वर्णिम पल मानते हुए कहा कि उस प्रसंग पर वीरपुत्र घेवरचन्द म.सा आचार्यकल्प शुभचन्द्र म.सा पार्श्वचन्द्र म.सा व भीकमकवर महासती व रत्नवंशीय सन्त सती मण्डल की उपस्थिति को एतिहासिक क्षण की अनुभूति रही। उपाध्याय मानचन्द्र म.सा ने आचार्य हीरा के प्रति सुयोग्य गुरु हस्ती के सुयोग्य शिष्य रुपी उद्गगार व्यक्त कर खद्दर अर्थात खादी की चादर ओढाई। प्रकाशचंद ओस्तवाल ने मारवाड़ी भाषा मे स्तुति की। संघ मन्त्री अनोपचन्द बागमार ने आचार्य भगवन्त की दूरदर्शिता भरे निर्णय के उद्धरण रखते हुए गुणगाण किये। स्वाध्यायी नवरतनमल चोरडिया ने आचार्य हीरा के स्वाध्यायी बनने की प्रेरणा का उपकार माने। कांतिलाल तातेड़ ने आचार्य हीरा के अतिशय व प्रेरणा का परिणाम बताते हुए कहा कि आचार्य हीराचन्द्र ने 2005 वेपेरी, चेन्नई चातुर्मास में उन पर उपकार करते हुए आजीवन गुटका, तम्बाकू सेवन करने,रात्रिभोजन व जमीकंद का त्याग करवाया।

इस प्रसंग पर वीरेन्द्र कांकरिया द्वारा सामायिक के पाठों, अर्थ व सामायिक में मन-वचन-काया से लगने वाले 32 दोषों पर लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया, सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने परीक्षा में भाग लिया।

सर्वनाश का मुख्य कारण है नशा : राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलार। शहर के दनमटनहल्ली के शिव मंदिर में पहुंचे राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा सर्वनाश का मुख्य कारण है। धन की बर्बादी शरीर में रोगों का घर और चरित्र की हत्या करता है। धर्म के नाम पर नशे को उचित ठहराना धर्म को कलंकित और बदनाम करने के समान है। उन्होंने कहा कि विश्व का कोई भी धर्म नशा अपनाने की इजाजत नहीं देता है। नशे में धार्मिक व्यक्ति भी शैतान और राक्षस हो जाता है।

मुनिश्री कमलेशजी ने बताया कि नशे के कारण युवा पीढ़ी खोखली हो रही है, जिनके कंधों पर देश का भविष्य निर्भर है। संतश्री ने कहा कि सरकार को नशे से जितना राजस्व की प्राप्ति होती है उससे भी कई गुना ज्यादा बीमारी, बुराई और अपराध बढ़ रहे हैं। जैन संत ने दुख के साथ कहा कि आज एक सरकार खुद नशे का लाइसेंस देती है और दूसरी तरफ नशा मुक्ति का नाटक करती है। यह सरासर गलत है जिस पर सरकारों को चिंतन करना चाहिए। संतश्री ने कहा कि आज युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिसर्च व रिपोर्ट स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए और नशा मुक्ति के लिए जागरूकता पैदा करनी चाहिए। मुनि कमलेशजी ने कहा कि सभी धर्मगुरु मिलकर नशा मुक्ति अभियान को प्राथमिकता दें। इस अवसर पर संतश्री घनश्याम मुनिजी, कौशलमुनिजी, अक्षतमुनिजी, सक्षममुनिजी का भी सान्निध्य मिला।

कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के युवाओं ने औद्योगिक यात्रा का किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के बेंगलूरु व हैदराबाद के युवाओं के एक दल ने बेंगलूरु के हारोहल्ली स्थित स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड कम्पनी की उत्पाद इकाई की औद्योगिक यात्रा की। इस मौके पर युवाओं को संबोधित करते हुए कम्पनी के चेयरमैन राजेंद्र गांधी ने कहा किआज के युवा उद्यमियों में रोजगार को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास को गति देने की शक्ति है, साथ ही युवाओं के दृष्टिकोण एवं साहसिक विचारों में उद्योगों तथा समाज को बेहतर बनाने की क्षमता है। इसके पश्चात युवाओं की टीम अयोध्या के राम मंदिर में रामनवमी के सूर्य तिलक की तकनीक का यंत्र दान करने वाली कंपनी ऑप्टिका' के उत्पादों की जानकारी लेने हेतु बोमसांद्रा स्थित उनके उत्पादन इकाई पहुंची। ऑप्टिका के चेयरमैन राजेन्द्र कोटरिया ने युवाओं से कहा कि व्यावसायिक सफलता के लिए कड़ी मेहनत, समर्पण, दृढ़ संकल्प, सकारात्मक सोच के साथ जोखिम लेने का माद्दा भी जरूरी है।

औद्योगिक यात्रा के संयोजक प्रकाश कटारिया, सह संयोजक जसवंत गुगलिया एवं रमेश गांधी ने यात्रा के उद्देश्य की जानकारी दी। यात्रा दल में शामिल हैदराबाद कांठा संघ के महामंत्री विमलचंद मुथा, सज्जनराज गांधी, योजना संयोजक राजेश गुगलिया व बेंगलूरु के मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने स्टोव क्राफ्ट कम्पनी के राजेंद्र गांधी एवं ऑप्टिका के राजेंद्र कोटरिया का आभार व्यक्त किया।

धर्म है उत्कृष्ट मंगल : साध्वीश्री संयमलता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनगर स्थित हेरिटेज सिग्नेचर में साध्वीश्री संयमलताजी ने श्रावकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस दुनिया में अनेक मंगल हैं जो सांसारिक मंगल कार्यों के लिए प्रयोग किए जाते हैं, पर सर्वश्रेष्ठ व उत्कृष्ट मंगल है धर्म। जिसने मंगल धर्म को समझ लिया उसका कभी अमंगल नहीं होता। जो शख्स समय रहते धर्म की आराधना व साधना करता है, वह प्रतिकूल समय में भी विचलित नहीं होता है। दुर्घटना के समय में भी अच्छी अनुभूति वह अपना सौभाग्य जोड़कर प्रसन्नचित रहता है। साध्वी मार्धवश्रीजी ने कहा कि जिसके पास तीव्र बुद्धि व समझ होती है वे ही लोग दुनिया में कुछ नया व हटकर कार्य करते हैं। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने साध्वीश्री का स्वागत करते हुए शांतिनगर में ज्यादा से ज्यादा विराजने का निवेदन किया। जितेंद्र घोषल ने आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी।

पत्रकारों का सम्मान व सुरक्षा ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की प्राथमिकता : देवी प्रसाद गुप्ता

अतुल कपूर बने कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यक्रम में अतुल कपूर को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया। इसके अलावा उन्होंने गोविंद रवि शंकर को गोवा राज्य का संगठन प्रभारी घोषित किया। उन्होंने आशा व्यक्ति की कि दोनों ही राज्यों में अब ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का विधिवत गठन यथाशीघ्र हो जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पत्रकारों की सुरक्षा व सम्मान सर्वोपरि है। ग्रामीण एवं शहरी पत्रकारों में भेदभाव न करके उनको एक सशक्त मंच प्रदान करना ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की प्राथमिकता है। स्वतंत्रता संग्राम हो या आजादी का अमृत महोत्सव, पत्रकारों ने हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब 'विकसित भारत' संकल्प का स्वप्न साकार करने में भी पत्रकार बंधु अपना विशेष योगदान दे रहे हैं। यह विचार ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता ने बेंगलूरु प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित परिचर्चा एवं प्रेस-वार्ता में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के प्रहरी हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अपर्णा द्वारा प्रस्तुत गीत 'ज्योति कलश छलके' सराहनीय रहा। अर्पिता कपूर ने उपस्थित पत्रकारों का स्वागत किया। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के बारे में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता ने कहा कि संगठन अपने स्थापना-काल से उन पत्रकारों की पहचान एवं स्वाभिमान-रक्षा का प्रयास करता चला आ रहा है जिनकी लेखनी से प्रिंट अथवा इलेट्रानिक मीडिया का दो तिहाई हिस्सा भरा रहता है। भारत के सर्वांगीण विकास तथा अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता में भारत के गांवों-कस्बों की बड़ी भूमिका है।इसलिये भी ऐसे क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों की महत्ता और बढ जाती है। यह बात हमारी शासकीय व्यवस्था के समक्ष स्पष्ट हो सके, इसके लिये ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मजबूती से इस पक्ष को रखने का काम करता चला आ रहा है।

अब कर्नाटक जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण प्रदेश में प्रवेश कर संगठन बड़े गौरव का अनुभव कर रहा है। हम, आप सभी के साथ मिल कर, आपकी ही अगुवाई, में कर्नाटक में पत्रकारों के हित के लिये कुछ विशेष कर पाएं तो यह हमारी बड़ी उपलब्धि होगी। सकारात्मक पत्रकारिता के साथ ही तथ्य परक समाचारों का प्रस्तुतिकरण समय की मांग है। कर्नाटक की धरती संतों, त्यागियों और बलिदानियों की धरती है। देश की डिजिटल क्रांति में कर्नाटक का महत्वपूर्ण योगदान एवं स्थान है। पत्रकारों के हित रक्षार्थ हमें आप सभी का सहयोग मिलता रहेगा, ऐसा, विश्वास है।

कार्यक्रम में देवी प्रसाद गुप्ता ने न्यूज नेशन के जनाब यासिर, एनडीटीवी के निहाल किदवई, हिंदी दैनिक दक्षिण भारत राष्ट्रमत के एक्जीक्यूटिव एडिटर भूपेन्द्र कुमार भानू', इंडिया टीवी के टी राघवन, वरिष्ठ पत्रकार जयपाल शर्मा आदि को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में विभिन्न समाचार पत्रों एवं टीवी चैनलों के लगभग 40 पत्रकारों ने सहभागिता की। जीपीए न्यूज़ के कर्नाटक डेस्क प्रभारी गोविंद रवि शंकर ने कन्नड़ भाषा एवं अंग्रेजी में सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कर्नाटक की अवनि चैंपियन बनीं

बेंगलूरु/मुंबई। कर्नाटक की अवनि उडुप्पी शनिवार को यहां अखिल भारतीय शतरंज मास्टर्स फिडे रेटिंग टूर्नामेंट में महाराष्ट्र के मयूरेश पारकर के मुकाबले बेहतर टाईब्रेकर स्कोर के आधार पर चैंपियन बनीं। बीस वर्षीय अवनि (फिडे रेटिंग 1669) ने पारकर (फिडे रेटिंग 1757) के समान सात अंक हासिल किए। मुख्य निर्णायक अजिंक्य पिंगले ने उन्हें विजेता घोषित किया।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यलहंका ट्राफिक पुलिस थानाक्षेत्र के अंतर्गत शुक्रवार रात्रि में हुए एक सड़क दुर्घटना में ऑटो में जा रही एक युवती की मौत हो गई वहीं उसकी मां गंभीरावस्था में अस्पताल में इलाजरत हैं। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात्रि पौने दस बजे के करीब कामर्शियल स्ट्रीट से खरीददारी कर मां मालती और उसकी बेटी प्रिया अपने घर यलहंका न्यू टाउन जा रही थीं। रास्ते में फ्लाईओवर पर जाते समय ऑटो रिक्शा एक कन्टेनर से टकरा जाता है जिससे उसमें सवार प्रिया (23) की घटना स्थल पर ही मौत हो जाती है वहीं उनकी मां मालती घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती हुई हैं।

एक अन्य घटना में मोटरसाइकिल सवार की दुर्घटना में मौत हो गई।

यलहंका क्षेत्र में सुनील कुमार (28) कैटरिंग का काम निपटाकर जा रहे थे। वह शुक्रवार रात्रि 10 बजे मोटरसाइकिल न्यू बीडीए लेआउट में जा रहे थे। रास्ते में लाइट नहीं होने कारण अंधेरा था। जिसके चलते वह एक बिजली के खंभे से टकरा गए जिससे उनकी मौत हो गई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.